सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" उत्साह जैसा बल नहीं धैर्य जैसा मित्र नहीं संतोष जैसा धन नहीं और अनुभव जैसा गुरु नहीं "

अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-83 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 13 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

समाजसेवी इंद्रजीत सिंह (छोटू) को बनाया गया जिला हॉकी संघ दुर्ग का संरक्षक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिला हॉकी संघ दुर्ग द्वारा आयोजित एकता कप हॉकी प्रतियोगिता 2026 (अखिल भारतीय 7 ए-साइड रात्रिकालीन हॉकी टूर्नामेंट) के अंतर्गत आज खेले गए पांचवें मैच में एचटीसी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऊ्लअ कोरबा को 5-0 से पराजित किया। इस रोमांचक मुकाबले में मुख्य अतिथि के रूप में सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष, हैवी ट्रांसपोर्ट के डायरेक्टर इंद्रजीत सिंह (छोटू) उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजनों की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। इस अवसर पर जिला हॉकी संघ दुर्ग द्वारा इंद्रजीत सिंह (छोटू) को जिला हॉकी संघ दुर्ग का संरक्षक बनाया गया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पूर्व भारतीय हॉकी टीम की कप्तान एवं अर्जुन अवार्ड व पद्मश्री से सम्मानित सबा अंजुम जी, दुर्ग शहर के पूर्व महापौर एवं कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल उपस्थित रहे। इनके साथ वार्ड 40 के पार्षद प्रतिनिधि विनोद चंद्राकर, कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव अयूब खान, वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी जसपाल सिंह, सुधीर वाघ, योगेश बघेल सहित जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष अयूब इरफान जी, सचिव - जहांगीर खान, उपाध्यक्ष - सूर्यमणि मिश्रा, सुनील नवघरे, वाहिद खान, अब्दुल हनीफ खान, एम.डी. अजाज कुरैशी, कोषाध्यक्ष- नियाजुद्दीन शेख एवं अन्य पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में हॉकी प्रेमी मौजूद रहे। इंद्रजीत सिंह (छोटू) ने अपने संबोधन में कहा कि वे सदैव खेल और खिलाड़ियों के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को हर संभव सहयोग प्रदान करते रहेंगे।

भीषण गर्मी व लू से बचाव के लिए निगम ने चलाया जागरूकता अभियान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में बढ़ती भीषण गर्मी एवं लू के प्रभाव को देखते हुए नागरिकों को जागरूक करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। निगम की टीम द्वारा विभिन्न वार्डों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पाम्पलेट वितरण कर लोगों को लू से बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। अभियान के तहत नागरिकों को बताया जा रहा है कि लू लगने के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, सिर दर्द, चक्कर आना, उल्टी, कमजोरी, अत्यधिक प्यास लगना एवं शरीर का तापमान बढ़ना शामिल हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत छांव में आराम करने, शरीर को ठंडा रखने और आवश्यक होने पर चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की जा रही है। निगम द्वारा नागरिकों को सलाह दी गई है कि दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें, हल्के एवं सूती कपड़े पहनें, सिर को ढककर रखें तथा अधिक से अधिक पानी, नींबू पानी, छाछ एवं अन्य तरल पदार्थों का सेवन करें। साथ ही छोटे बच्चों, बुजुर्गों एवं बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखने की भी अपील की गई है। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और लू से बचाव के उपायों को अपनाकर स्वयं एवं अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

उतई की जघन्य घटना के विरोध में कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन

सैकड़ों की उपस्थिति में गृहमंत्री विजय शर्मा का पुतला दहन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

उतई थाना क्षेत्र अंतर्गत पाँच वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई जघन्य एवं शर्मनाक घटना तथा प्रदेश में लगातार बिगड़ती कानून व्यवस्था के विरोध में आज दिनांक 12 अप्रैल 2026 को उतई के मिनी माता चौक में जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के तत्वावधान में व्यापक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया।

जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग (ग्रामीण) के राकेश ठाकुर की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेसजनों एवं आम नागरिकों ने सैकड़ों की संख्या में शामिल होकर प्रदेश सरकार के खिलाफ जोरदार आक्रोश व्यक्त किया। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित जनसमूह ने न्याय दो, न्याय दो, बेटी के दोषियों को फांसी दोह्व जैसे नारों के साथ पूरे क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया।

प्रदर्शन के दौरान गृहमंत्री विजय शर्मा का पुतला दहन किया गया। प्रशासन द्वारा संभावित स्थिति को देखते हुए पहले से ही भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था, साथ ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, बावजूद इसके कांग्रेसजन अपने विरोध प्रदर्शन में सफल रहे और पुतला दहन कर सरकार की नीतियों के प्रति अपना तीखा विरोध दर्ज कराया।

इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि उतई सहित पूरे क्षेत्र में अवैध शराब की खुलेआम बिक्री हो रही है, जिसके चलते आपराधिक गतिविधियों में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन की लापरवाही और निष्क्रियता के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। नेताओं ने मांग की कि अवैध शराब के कारोबार पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए तथा इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कारवाई की जाए।

नेताओं ने यह भी कहा कि मासूम बच्ची के साथ हुई यह घटना केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज को झकझोर देने वाली है। ऐसी घटनाएं प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव न्याय दिलाने के लिए निरंतर संघर्ष करेगी।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही दोषियों की गिरफ्तारी कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा नहीं दी गई और क्षेत्र में कानून व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया गया, तो कांग्रेस पार्टी आने वाले दिनों में और उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता, महिला कांग्रेस की सदस्याएं, युवा कांग्रेस के साथी एवं आम नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते हुए पीड़िता को शीघ्र न्याय दिलाने की मांग की।

इस दौरान जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, करीम खान, कमलेश साहू, उमेश साहू, प्रहलाद वर्मा, डिकेंद्र हिरवानी, नेता प्रतिपक्ष द्वारिका साहू, राकेश हिरवानी, उमेश बंजारे, भावेश साहू, धनंजय, मुकेश साहू, टीकम धोंडे, अरुण वर्मा, दिवाकर गायकवाड, अभिषेक जांगड़े, सुमित घोष, प्रीतम देशमुख, गौरव साहू, तिलेश्वर साहू, प्रेम नारायण साहू, घनश्याम गजपाल, पिलेश्वर साहू, सुरता सिंगर, गजेंद्र, शैलेंद्र, धर्मेंद्र बंजारे, सत्य प्रकाश कौशिक, कैलाश देवांगन, पीलेश्वर साहू, शुभम बंभोले सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

अस्पताल पहुंचकर अरुण वोरा ने परिजनों से की मुलाकात

दुर्ग। दुर्ग जिले के उतई क्षेत्रमें इंसानियत को शमर्सार करने वाली घटना सामने आई है, जहां पांच वर्षीय मासूम बच्ची के साथ गंभीर अपराध किया गया। घटना शुक्रवार (10 अप्रैल) की बताई जा रही है। आरोपी ने बच्ची को बहलाकर अपने साथ ले गया और वारदात के बाद उसे बोरे में बंद कर सुनसान स्थान के पास छोड़ दिया। कुछ समय बाद गांव के युवकों ने बोरे में हलचल देखी, जिसके बाद बच्ची को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने त्वरित कार्वाई करते हुए आरोपी धनेश्वर साहू (35) को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। घटना के बाद प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग से विधायक रहे अरुण वोरा अस्पताल पहुंचे और पीड़ित बच्ची के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने डॉक्टरों से इलाज की जानकारी ली और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। वोरा ने कहा कि हाल के समय में बच्चों से जुड़ी घटनाओं में जिस प्रकार की बढ़ोतरी देखी जा रही है, वह पूरे प्रदेश के लिए गंभीर चिंता का विषय है। मासूम बच्चों के साथ होने वाले ऐसे अपराध समाज के सबसे निंदनीय और अमानवीय कृत्य हैं।एक मासूम बच्ची और उसके परिवार पर जो बीत रही है, उसे शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है। हमारी प्राथमिकता इस समय बच्ची के स्वास्थ्य और उसके परिवार को हर संभव सहयोग देना है। हमें कानून के स्तर पर सख्ती दिखानी होगी .एक समाज के रूप में हमें आत्ममंथन करने की जरूरत है कि हम अपने बच्चों को कितना सुरक्षित माहौल दे पा रहे हैं। बच्चों की सुरक्षा सवोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। पूर्व महापौर आरएन ने कहा कि आज जिस तरह से छोटे बच्चों के खिलाफ इस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वह बेहद गंभीर संकेत है।ऐसे मामलों में त्वरित कार्वाई और कठोर दंड ही समाज में भरोसा कायम कर सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

राष्ट्रीय कुश्ती के महासंग्राम की गूंज पहुंची जम्मू कश्मीर से कन्याकुमारी तक - विजय बघेल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ के भिलाई में आयोजित राष्ट्रीय अंडर 20 कुश्ती महासंग्राम का महाआयोजन संपन्न हुआ दुर्ग जिले के सांसद विजय बघेल ने कहा हम सबकी मेहनत सफल हुई। जो हम भिलाई छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय कुश्ती का यह सफल आयोजन कर पाये इस दूरगामी परिणाम हमें अवश्य प्राप्त होगा। इस कुश्ती के संग्राम के माध्यम से एवं जो सुविधाएं हम सभी राज्यों के खिलाड़ियों को दें पाये उसके माध्यम से अतः सम्पूर्ण 28 राज्यों के खिलाड़ियों/पहलवानो के दिलों में हमने जगह बनायी है। हमने भारतीय कुश्ती संघ के लगभग सभी पदाधिकारियों से इस आयोजन पर चर्चा की हमारे लिये सुखद रहा की भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने एवं भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने भिलाई छत्तीसगढ़ में आयोजित इस कुश्ती संग्राम को सभी मापदंड पर खरा पाया ' साथ ही विजय बघेल ने इस आयोजन के सफलता पूर्ण संपन्न होने पर कहा की हमारी टीम का एक एक सदस्य जिनकी भागीदारी इस आयोजन में रही है। उनके वजह से यह आयोजन सफल हो पाया ' छत्तीसगढ़ कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष भूपेंद्र यादव ने इस तीन दिवसीय आयोजन 10,11,12 अप्रेल के लिये अपनी उपस्थिति प्रदान करने वाले एवं इस आयोजन में सहयोग देने वालों का आभार प्रदर्शन किया और कहा की हमारी ताकत हमारी टीम है और इस टीम के बल पर हमारा प्रयास होगा की इस राष्ट्रीय कुश्ती आयोजन के पश्चात हम अंतर राष्ट्रीय कुश्ती के संग्राम कराने का पूरा प्रयास करेंगे 'निशु पाण्डेय ने बताया कि आज भी लगभग 240 कुश्ती के मैच संपन्न हुये जिसमें से 10 गोल्ड, 10 सिल्वर एवं 20 ब्रॉन्स मैडल दिये गये छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय रहा की 55 वेट केटेगरी में छत्तीसगढ़ के मन्नू यादव को सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ 'यह मैडल छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के लिये संजीवनी का कार्य करेगा ' पूरे आयोजन में सर्वाधिक मेडल हरियाणा ने प्राप्त किया द्वितीय स्थान पर एस.एस.सी.बी. एवं तृतीय स्थान उत्तर प्रदेश ने प्राप्त किया 'इस आयोजन को अद्वितीय बनाने मंच संचालन किया श्रीमती ममता ध्रुव (शिक्षा विभाग), निशु पाण्डेय एवं अभय सुधाकर ने एवं अपनी सांगिमयी प्रस्तुति से आरिफ खान ने दशर्कों के साथ साथ 28 राज्यों से आये मेहमानों को मंत्रमुक्ध कर दिया ' समापन के अवसर पर भिलाई छत्तीसगढ़ में आये भारतीय कुश्ती संघ के पदाधिकारियों को, भारतीय कुश्ती संघ रेफेरी एवं उनके पदाधिकारीयों को बस्तर आर्ट शील्ड देकर सम्मानित किया जो छत्तीसगढ़ में बिताये पलो और उन यादों को कभी भुलाने नहीं देगी ' सभी 10 केटेगरी के विजेता पहलवान को गोल्ड सिल्वर एवं ब्रॉन्स मेडल देकर सम्मानित किया गया।

मातृशक्ति के भाग्य और भविष्य को लेकर होगा महत्वपूर्ण फैसला : राज्य सभा सांसद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने दुर्ग सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 भारत के लोकतंत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। इस क्रांतिकारी कदम को उठाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त कर राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि बहुत-से दल इससे पहले भी यह विधेयक लेकर आए। कभी किसी ने एक सदन में पारित किया तो दूसरे सदन में उसको रखने की हिम्मत नहीं जुटा पाए।

राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि महिलाओं को केवल वोट बैंक के तौर पर तमाम राजनीतिक दलों ने देखा, लेकिन उनका अधिकार किसी ने नहीं दिया। देश की आधी आबादी को उनका अधिकार प्रधानमंत्री मोदी ने दिया है एवं सबके विकास में महिलाओं को भी जोड़ा। लोकतंत्र में महिलाओं को विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत का आरक्षण दिया जाएगा। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर प्रधानमंत्री मोदी ने नारीत्व का जो सम्मान किया है, उसके लिए देश की सभी बहनें प्रधानमंत्री श्री मोदी को बहुत साधुवाद देती हैं कि उन्होंने इतनी ताकत के साथ भारत की संसद में इस अधिनियम को रखा है। जब इस अधिनियम को संसद के पटल पर रखा गया तब परिस्थितियाँ सकारात्मक नहीं थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने 2029 में यह बिल लागू हो, उस दिशा में कार्य किया और अभी उस पर संशोधन आ रहा है। आने वाले समय में विधानसभा और लोकसभा में संशोधन के साथ यह बिल पारित होगा 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ। महिलाओं ने देश में बहुत बेहतर काम किया। राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने आगे कहा कि 9667173333 इस नंबर मिस्ड कॉल करके महिलाएं नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना धन्यवाद ज्ञापित कर सकती हैं मैं आग्रह करती हूं कि आप सभी जरूर मिस्ड कॉल कर अपना धन्यवाद ज्ञापित करें।

श्रीमती वर्मा ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी ने की, जिसका सकारात्मक परिणाम आया है। आज महिलाएं नीति-निर्धारक भी हैं, केवल नीति के लाभार्थी नहीं हैं। महिलाएं अब नीति बनाएंगी। जब महिलाएं सदन में बड़ी संख्या में बैठेंगी तो सकारात्मक परिणाम आएगा, जो भारत की राजनीति को परिवर्तित करेगा।

आयोजित प्रेस वार्ता में महापौर अलका बाघमार, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर, जिला महामंत्री डॉ भारती साहू, गायत्री परिवार प्रमुख विनीता तिवारी उपस्थित रहे।

खास खबर

फंदे से लटकती मिली बीएसपी कैंटीन के कुक की लाश, मचा हड़कंप

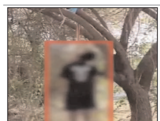

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) कोक ओवन कैंटीन में कार्यरत 29 वर्षीय कुक अजय प्रजापति ने आत्महत्या कर ली। उनका शव रविवार सुबह भिलाई के सेक्टर-4, सड़क नंबर 36 स्थित आवासीय क्षेत्र के पीछे एक पेड़ से लटका हुआ मिला। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई और मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। जानकारी के अनुसार, अजय प्रजापति पिछले कुछ महीनों से कोक ओवन कैंटीन में ठेकेदार ज्ञानवेंद्र सिंह उर्फ मोनू के अधीन काम कर रहे थे। वे भिलाई स्टील प्लांट कैंटीन सेल प्रभारी जॉर्ज विलियम के सर्वेंट क्वार्टर में अपने परिवार के साथ रहते थे। उनकी पत्नी भी जॉर्ज विलियम के घर में खाना बनाने का काम करती हैं। पुलिस के मुताबिक, शनिवार रात करीब 8 बजे अजय शराब के नशे में घर पहुंचे थे। इस दौरान उनका पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ। विवाद के बाद वे घर से बाहर निकल गए और देर रात तक वापस नहीं लौटे। रविवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने सड़क नंबर 36 के पीछे पेड़ पर लटकी हुई लाश देखी, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव को लाल बहादुर शास्त्री शासकीय अस्पताल सुपेला की मरच्यूरी में भेजा गया। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। जांच में यह भी सामने आया है कि अजय प्रजापति सड़क नंबर 27 स्थित अपने एक दोस्त के घर भी गए थे, जहां उन्होंने कुछ समय बिताया। बताया गया कि वहां उन्होंने तंबाकू खाया और इसके बाद वे वहां से भी चले गए थे। इसके बाद देर रात उनका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों के अनुसार, अजय का एक 6 माह का छोटा बच्चा है। घटना की जानकारी मिलते ही उनके पिता और भाई रायपुर से भिलाई पहुंचे। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और इलाके में शोक का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने मामले को संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है, जिसमें व्यक्तिगत विवाद, मानसिक तनाव और अन्य संभावित कारणों को भी शामिल किया गया है। स्थानीय लोगों ने घटना पर दुख जताया है और कहा कि मृतक शांत स्वभाव के व्यक्ति थे। फिलहाल पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मोबाइल व अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। इस घटना ने बीएसपी परिसर और आसपास के क्षेत्रों में गहरा असर डाला है और लोग लगातार परिवार को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं।

जनगणना कार्य के लिए प्रगणकों का प्रशिक्षण प्रारंभ

प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले पांच कर्मचारियों को शोकॉज

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के अंतर्गत आगामी जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु प्रगणकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आधिकारिक रूप से प्रारंभ कर दिया गया है। इसी कड़ी में आज जोन क्रमांक 4, खुर्सीपार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले स्वामी आत्मानंद स्कूल में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण शिविर जोन आयुक्त सह चार्ज जनगणना अधिकारी अमरनाथ दुबे के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। खुर्सीपार क्षेत्र के लिए कुल 99 प्रगणकों को प्रशिक्षण हेतु बुलाया गया था। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रगणकों को जनगणना के दौरान डेटा प्रविष्टि, प्रपत्र भरने की बारीकियों और तकनीकी पहलुओं से अवगत कराना, ताकि गणना कार्य त्रुटिहीन हो सके। प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन और गंभीरता बनाए रखने हेतु निगम प्रशासन पूरी तरह सख्त है। आज के सत्र में कुल 99 प्रगणकों में से 94 उपस्थित रहे, जबकि 5 प्रगणक बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए। जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है।

— अमरनाथ दुबे, जोन आयुक्त सह चार्ज जनगणना अधिकारी (जोन-4)

ड्यूटी से नदारद रहने वाले इन 5 प्रगणकों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए, जोन आयुक्त सह चार्ज जनगणना अधिकारी के निर्देशानुसार उन्हें तत्काल 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया गया है। निर्धारित समय सीमा के भीतर संतोषजनक जवाब न मिलने पर संबंधितों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जनगणना 2027 : प्रथम चरण के लिए प्रशिक्षण प्रारंभ

दुर्ग। जिले में जनगणना 2027, प्रथम चरण हेतु अधिकारी-कमर्चारियों का प्रशिक्षण 11 अप्रैल से प्रारंभ हो गया है। यह प्रशिक्षण तहसीलवार विभिन्न स्थानों पर मास्टर ट्रेनर द्वारा किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी अभिजीत सिंह ने आज बीआईटी के बी-ब्लाक कमरा नंबर 303, 304, 312 में आयोजित प्रशिक्षण का निरीक्षण/अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारी-कमर्चारियों को प्रशिक्षण के दौरान बतायी जा रही जानकारी पर विशेष ध्यान देने की बाते कहीं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के हर पहलु को गंभीरता से लिया जाए ताकि गणना के दौरान किसी प्रकार की चुक न हो। कोई भी गणना से वंचित न होने पाए। अधिकारी-कमर्चारियों का यह प्रशिक्षण 50-50 के बैच में तीन कमरों में दिनांक 11, 12, 13, 15, 16, 17, 20, 21, 22 अप्रैल को सुबह 9.30 से प्रारंभ होकर संध्या 5.30 तक चलेगा। इस अवसर पर अनुविभागीय जनगणना अधिकारी हरवंश सिंह मिरी, जनगणना जिला प्रभारी अधिकारी उत्तम ध्रुव एवं तहसील दुर्ग ग्रामीण के चार्ज जनगणना अधिकारी तहसीलदार प्रफुल्ल कुमार गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित थे।

भिलाई में सेवा का संदेश : मुक्ति धाम के कमर्चारियों का सम्मान, भोजन व वस्त्र वितरण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी के झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय सिद्धांत को आत्मसात करते हुए सेवा का प्रेरणादायी कार्य किया गया। प्रकोष्ठ के तत्वाधान में रामनगर स्थित मुक्ति धाम में कार्यरत कमर्चारियों का सम्मान कर उन्हें वस्त्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर सभी कमर्चारियों को श्रद्धापूर्वक भोजन भी कराया गया। कार्यक्रम के माध्यम से अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और सम्मान पहुंचाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक मनोज तिवारी सहित सह संयोजक हेमंत बेहरा, प्रेमचंद गिरी, रामानुज प्रसाद, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पवन कुमार मिश्रा, पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष अमित मिश्रा, किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दिनेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके अलावा जय हरपाल, सुभाष भगत, विशाल सिंह, अजय उपाध्याय, आकाश क्षेत्री, विनोद शर्मा, संतोष सिंह, राकेश जैन, शैलेश तिवारी, प्रणय तिवारी, भागवत, हितेश यादव, ठाकुर देवेंद्र, संजय सिंह, प्रीतेश, राजू, कृष्णा, गोदावर सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने भाजपा की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

वैशाली नगर विधायक को प्रदेश सरकार की हेल्पलाइनो पर भरोसा नहीं : मुकेश चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

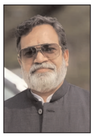

भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन द्वारा लोगों की समस्याओं के त्वरित निपटान के लिए बनाए गए प्लेटफार्म "जनता कमल सेतु" पर आश्चर्य व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व में ही लोगों की शिकायतें दूर करने के लिए दर्जन भर से ज्यादा हेल्पलाइन चलाए जा रहे हैं। ऐसे में लगता है कि विधायक को उन हेल्पलाइनो पर भरोसा नहीं है। यही कारण है कि वे लोगों की समस्याएं दूर करने सरकार के समानांतर सरकार चला रहे हैं। चंद्राकर ने बताया कि आम जनता को होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए प्रदेश सरकार द्वारा दर्जन भर से ज्यादा हेल्पलाइन जारी किए गए हैं। अब यह हेल्पलाइन लोगों की समस्याएं दूर कर पा रहे हैं या नहीं, यह एक चर्चा का विषय हो सकता है। वैशाली नगर विधायक ने जिस तरह से लोगों की समस्याएं दूर करने व्यक्तिगत रूप से एक नया प्लेटफार्म बनाया है उससे स्पष्ट होता है कि प्रदेश सरकार द्वारा जारी किए गए हेल्पलाइन काम नहीं कर रहे, यह सिर्फ कागजों पर हैं। इसके अलावा पुलिस से संबंधित, महतारी एक्सप्रेस, संजीवनी एक्सप्रेस, स्वास्थ्य सेवा एवं परामर्श केंद्र, वीमेन हेल्पलाइन, चाइल्ड हेल्पलाइन, विद्युत समस्या, राशन कार्ड, रेलवे एवं किसानों से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए दर्जन भर से ज्यादा हेल्पलाइन मौजूद हैं। श्री चंद्राकर ने कहा कि ऐसा लगता है इन प्रदेश सरकार द्वारा जारी इन हेल्पलाइनों को विधायक असरहीन समझते है यही कारण है कि 57 लाख रुपए खर्च कर उन्होंने एक नया पोर्टल बनाया है।

पीलिया प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य अमला मुस्तैद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वार्ड-67 सेक्टर 7 पश्चिम सड़क 37 ए भिलाई नगर में पीलिया के मरीजों की जानकारी होने पर 12 अप्रैल को डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग के निर्देशन में एवं डॉ. सी.बी.एस. बंजारे, जिला सर्वेलेंस अधिकारी, दुर्ग के मार्गदर्शन में डॉ. पियाम सिंग, प्रभारी अधिकारी, सिविल हॉस्पिटल सुपेला भिलाई व श्रीमती रितीका सोनवानी, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट, दुर्ग विजय सेजुले, सुपरवाईजर, हितेन्द्र कोसरे, बीईटीओ एवं स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया गया। सेक्टर-07, स्ट्रीट-37ए भिलाई में पीलिया ग्रस्त होने के कारण लक्षण पाये गये मरीजों का रक्त नमूना लिया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दानी से प्राप्त जानकारी अनुसार आज प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 65 घरों का भ्रमण कर 07 पीलिया से ग्रसित नए मरीज पहचान किये। इस प्रकार उक्त संक्रमित क्षेत्र में आज दिनांक तक कुल 31 पीलिया के मरीज मिले। जिनमें 01 पुराने मरीज डिस्चार्ज हुए। इस प्रकार भर्ती मरीज श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंस भिलाई में 03, पल्स हास्पीटल, भिलाई-1 में 01 उपचाररत है। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है। पीलिया प्रदूषित जल व भोजन से फैलने वाला संक्रामक रोग है जो विषाणुओं के संक्रमण से होता है। विषाणुओं के शरीर में प्रवेश करने के 15 से 50 दिनों के भीतर बीमारी के लक्षण प्रगट होते है। पीलिया के प्रमुख लक्षण भुख न लगना, पीले रंग की पेशाब होना, भोजन का स्वाद न आना, उल्टी लगना या होना, सिर में दर्द होना एवं कमजोरी तथा थकावट का अनुभव करना, पेट के दाहिने तरफ ऊपर की ओर दर्द होना, आंखे व त्वचा का रंग पीला होना।

दुर्ग जिलाध्यक्ष : कांग्रेस के संगठन सृजन कार्यक्रम का पांचों ब्लॉक में हुआ सफल आयोजन

जिला कांग्रेस , कांग्रेस के प्रकोष्ठ, ब्लॉक , मंडल , कायर्कारिणी में जुड़े सैकड़ों कार्यकर्ता , आमजन में कांग्रेस के प्रति बड़ा विश्वास

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में संगठन सृजन के तहत लगातार हो रही बैठक , सभी पांचों ब्लॉक की नियुक्ति पश्चात प्रदेश से नियुक्त जिला कांग्रेस दुर्ग शहर प्रभारी सीमा वर्मा के शहर के पांचों ब्लॉक के दौरे और बैठक में जिला कांग्रेस सहित ब्लॉक के नवनियुक्त पदाधिकारियों कायर्कारिणी की सैकड़ों की संख्या में उपस्थिति से संगठन का विस्तार हो रहा है लोगों में कांग्रेस के प्रति उत्साह और विश्वास बड़ा है ।

एक ही दिन में प्रभारी सीमा वर्मा के साथ मध्य ब्लॉक अध्यक्ष अलताफ अहमद, उत्तर ब्लाक अध्यक्ष देवश्री साहू , पूर्वी ब्लॉक अध्यक्ष मनीष बघेल, दक्षिण ब्लाक अध्यक्ष गुरदीप भाटिया, पश्चिम ब्लाक अध्यक्ष आनंद कपूर ताम्रकार सभी ब्लाक अध्यक्षों ने अपने अपने ब्लाकों में नवनियुक्त कायर्कारिणी के साथ बैठक ली ।

प्रभारी सीमा वर्मा ने सभी ब्लाक अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं को ब्लॉक की टीम, मंडल में वार्ड में और ब्लॉक के हर बूथ में कार्यकर्ताओं की नियुक्ति का आम जनता से सीधे संवाद रखने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि बीजेपी की वादा खिलाफी और जनविरोधी नीतियों से जनता का कांग्रेस के प्रति विश्वास बड़ा है । जिसे हमे शतप्रतिशत पूरा करना है ।

जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि जिला कांग्रेस के बाद सभी ब्लाकों में कायर्कारिणी की, मंडल अध्यक्षों, वार्ड अध्यक्षों की नियुक्ति हो गई है जल्दी हर बूथ में भी नई बूथ कमेटी का गठन कर आम जनता से सीधा संवाद कर कांग्रेस की रीति नीति को जन जन तक पहुंचाएंगे।

सभी ब्लाकों की महत्वपूर्ण बैठक में पूर्व विधायक अरुण वोरा, प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू, दीपक दुबे, पूर्व महापौर आर एन वर्मा , छाया महापौर प्रेमलता साहू सहित कांग्रेस के सभी जिला कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस नवाचार सेवा और समर्पण

नि :शुल्क खून जांच शिविर सहित जनसंपर्क एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय आह्वान पर आज भिलाई पश्चिम मंडल के सेक्टर 6 न्यू डी मार्केट तेलगू पारा भाजपा कार्यालय में चन्ना केशवलू जिला उपाध्यक्ष भाजपा जिला भिलाई के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं के सहयोग से निःशुल्क खून जाँच शिविर बीपी,शुगर, कोलेस्ट्रॉल,विटामिन की गोलियाँ वितरण एवं ग्लूकोज पिलाकर एवं जनता से जनसंपर्क एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर वैशाली नगर के युवा विधायक रिकेश सेन एवं भाजपा ज़िलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन के आतिथ्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ ।विधिवत उद्घाटन फीता काटकर विधायक रिकेश सेन ने किया ।उन्होंने अपने संबोधन में भाजपा स्थापना दिवस की सभी कार्यकर्ताओं एवं आमजन को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं ।पार्टी की गौरव शाली इतिहास को याद किया ।सफल आयोजन के लिए आयोजन कर्ता भाजपा जिला भिलाई के जिला उपाध्यक्ष चन्ना केशवलू एवं उनकी पूरी टीम को विधायक ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।ज़िलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने भी स्थापना दिवस की बधाई दी एवं कार्यक्रम सफलता की सराहना की ।जिला पदाधिकारियों एवं मंडल के पदाधिकारियों एवं भाजपा के कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही ।

भाजपा का उद्देश्य है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास साथ ही सभी ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर संगठन को और मजबूत करने का संकल्प लिया ।कार्यक्रम में विशेष रूप से मंडल व मोर्चा के साथी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे । कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला भिलाई के कोषाध्यक्ष श्री शैलेंद्र सिंह, भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्षा श्रीमती स्वीटी कौशिक, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष सौरभ जायसवाल,भाजपा जिला कार्यालय प्रभारी योगेन्द्र सिंह,बल्लू जाकिर हुसैन, डइउ मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिनेश देवांगन ,पश्चिम मंडल अल्पसंख्यक मोर्चा के मंडल अध्यक्ष जी.अमर,,भाजपा पश्चिम मंडल के महामंत्री इ.पद्मनाभन, प्रकाश राव, राजनारायण सिंह , भिलाई सैनिक प्रकोष्ठ के संयोजक तुलसी राव ,बी.प्रसाद,एम .इमानुएल, ब्रह्मा नायडू,कृपानंदन राव,अभय प्रसाद,सन्नी ईपपन,प्रदीप कुमार पाल,सुधीर गडेवाल,रवि चौधरी,जगजीत सिंह,भागीरथी चन्द्राकर,वी .सूर्या राव,के.सी .केशवलू ,टी.शंकर,आदित्य गावले,शिवा ,मदन राय,संतोष सुक्के, हिमांशु साहू,आर .प्रसंगी,रमेश,जगीरे सिंह,नीलेश पाहुजा,मरिया दास,जे.पी.राजू,प्रीतम साहू,करण सिंह,वी.राजू एवं सैकड़ों की संख्या में गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे ।भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर निशुल्क खून जॉच सौजन्य गंगोत्री हॉस्पिटल एंड ब्लड सेंटर डायरेक्टर डॉक्टर ओम प्रकाश कराडे ,सौरभ गांगुली एवं उनके मेडिकल टीम के द्वारा सफल जॉच किया गया ।यह जानकारी भाजपा जिला भिलाई के उपाध्यक्ष चन्ना केशवलू ने दी ।

खास खबर

सुप्रसिद्ध गायिका पद्मविभूषण आशा भोसले के निधन पर सीएम देव साय ने व्यक्त किया शोक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुप्रसिद्ध गायिका पद्म विभूषण आशा भोसले के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।उन्होंने कहा कि आशा भोसले के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अपनी मधुर, विलक्षण और हृदयस्पर्शी आवाज से उन्होंने दशकों तक भारतीय संगीत को समृद्ध किया और करोड़ों हृदयों में अमिट स्थान बनाया ।उनका यह अद्वितीय योगदान युगों-युगों तक अमर रहेगा और आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने माँ वीणापाणि सरस्वती से प्रार्थना की है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों और उनके असंख्य प्रशंसकों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

महाराष्ट्र सीमा से लगे नेलांगुर में हर घर पहुंचा नल जल, दूर हुई पेयजल समस्या

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के अंतिम छोर पर बसे नारायणपुर जिले के ओरछा ब्लॉक के सीमावर्ती ग्राम नेलांगुर में अब विकास की नई तस्वीर उभरने लगी है। महाराष्ट्र सीमा से लगे इस पूर्व अतिसंवेदनशील गांव में पहली बार घर-घर नल से पानी पहुंचना शुरू हुआ है, जिससे ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव महसूस किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति स्थापित होने के बाद अब विकास कार्यों ने भी गति पकड़ ली है। कलेक्टर नम्रता जैन ने बताया की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन के तहत इस दूरस्थ गांव में जल आपूर्ति व्यवस्था शुरू की गई है। सोलर पंप के माध्यम से जल स्रोत से पानी उठाकर पाइपलाइन के जरिए सीधे घरों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे बिजली पर निर्भरता कम हुई है और निर्बाध जल आपूर्ति संभव हो सकी है। जिला मुख्यालय नारायणपुर से लगभग 52 किलोमीटर दूर स्थित नेलांगुर के ग्रामीण लंबे समय से पेयजल संकट झेल रहे थे, लेकिन अब उनकी समस्या का समाधान होने से ग्रामीणों के लिए यह पहल राहत भरी साबित हो रही है। विशेष रूप से महिलाओं को अब दूर-दूर तक पानी लाने की परेशानी से मुक्ति मिली है। गांव में जल आपूर्ति शुरू होने से लोगों के दैनिक जीवन में सहजता आई है और स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है। नेलांगुर में जल जीवन मिशन का सफल क्रियान्वयन इस बात का प्रमाण है कि शासन की योजनाएं अब दूरस्थ और सीमावर्ती क्षेत्रों तक प्रभावी ढंग से पहुंच रही हैं। प्रशासन द्वारा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा हर घर तक नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नेलांगुर में सोलर पंप आधारित जल आपूर्ति की यह पहल न केवल बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह क्षेत्र में विश्वास और विकास की नई नींव भी रख रही है।

किशोरी बालिकाओं के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माहवारी स्वच्छता एवं रेयूजबल पैड पर प्रशिक्षण आयोजित

स्वास्थ्य विभाग की टीम और मितानिन लगातार कर रही हैं प्रयास

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रोजेक्ट बाला एवं जन कल्याण सामाजिक संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में राजीव नगर, बसंतपुर (राजनांदगांव) में किशोरी बालिकाओं के लिए माहवारी स्वच्छता प्रबंधन एवं रेयूजबल (पुनः उपयोग योग्य) सैनिटरी पैड के उपयोग पर एक प्रभावशाली एवं जागरूकता उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों में माहवारी से जुड़ी सामाजिक व सांस्कृतिक भ्रांतियों को दूर करना, उन्हें वैज्ञानिक एवं सुरक्षित स्वच्छता व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा पर्यावरण के अनुकूल और किफायती विकल्पों के प्रति जागरूक करना था। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा माहवारी स्वच्छता के सही तरीके, संक्रमण से बचाव, संतुलित पोषण का महत्व तथा किशोरियों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी साझा की गई।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम एवं मितानिन कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा, जिन्होंने जमीनी स्तर पर किशोरियों तक पहुंच बनाकर उन्हें मार्गदर्शन एवं निरंतर समर्थन प्रदान किया। प्रशिक्षण को सहभागी पद्धति के माध्यम से संचालित किया गया, जिसमें प्रश्नोत्तर सत्र, व्यवहारिक प्रदर्शन एवं अनुभव साझा करने जैसे प्रभावी माध्यमों का उपयोग किया गया, जिससे प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हुई।

इस पहल के अंतर्गत 10 जरूरतमंद किशोरी बालिकाओं को निःशुल्क रेयूजबल सैनिटरी पैड वितरित किए गए, जिससे वे सुरक्षित, स्वच्छ एवं गरिमापूर्ण माहवारी प्रबंधन अपना सकें।यह पहल न केवल स्वास्थ्य सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं दीघर्कालिक आर्थिक बचत को भी प्रोत्साहित करती है। संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस प्रकार के हस्तक्षेप किशोरियों के स्वास्थ्य, आत्मविश्वास एवं शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। उन्होंने आगे कहा कि संस्था भविष्य में इस पहल को और अधिक समुदायों एवं क्षेत्रों तक विस्तारित करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि अधिक से अधिक किशोरियां इस पहल से लाभान्वित हो सकें। यह कार्यक्रम सतत विकास लक्ष्यों —विशेष रूप से अच्छा स्वास्थ्य एवं कल्याण , लैंगिक समानता एवं स्वच्छ जल एवं स्वच्छता की दिशा में एक सार्थक योगदान है। संस्था के हरीश कुमार क्षत्री ने स्वास्थ्य विभाग, मितानिन कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय समुदाय के सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया ।

संस्कार स्कूल को मिला उभरते हुए स्कूल का राष्ट्रीय अवार्ड

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शहर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था संस्कार पब्लिक स्कूल को देश के उभरते हुए स्कूल का अवार्ड दिया गया है ,संस्था की प्राचार्या श्रीमती रश्मि शर्मा ने बताया कि शिक्षा क्षेत्र की प्रसिद्ध संस्था एडु मिरर और नेशनल स्कूल अवार्ड संस्था द्वारा देश भर के श्रेष्ठ स्कूलों में से 50 उभरते हुए स्कूल का खिताब दिया गया ,जिसमें छत्तीसगढ़ से संस्कार पब्लिक स्कूल ने बाजी मारी ,प्राचार्या ने बताया कि मार्गदर्शक रामचंद्र शर्मा के मार्गदर्शन और विजन के आधार पर संस्कार स्कूल सभी क्षेत्रो में शानदार प्रदर्शन कर रही है ,स्कूल के द्वारा किये गए बेहतरीन कार्य और भविष्य को देखते हुए देश के पचास उभरते हुए स्कूल का अवार्ड बेंगलुरु में रामचंद्र शर्मा द्वारा लिया गया , इस अवसर पर रामचंद्र शर्मा ने कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चों का भविष्य निर्माण करना और व्यक्तित्व बनाना है इसके लिए जो बन पड़ेगा हम करते रहेंगे

संस्कार को दो साल में 7 अवार्ड मार्गदर्शक रामचंद्र शर्मा ने बताया कि प्राचार्या रश्मि शर्मा और सभी स्टॉफ के अथक मेहनत और सहयोग से संस्कार स्कूल को पिछले डेढ़ साल में विभिन्न संस्थाओं द्वारा 7 राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है जो पुरे जिले के लिए गर्व का विषय है , शर्मा ने कहा कि इन पुरस्कारों से आगे और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी ,इस सफलता पर सभी पेरेंट्स ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

जनकल्याण-सामाजिक संस्था की सराहनीय पहल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन एवं शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आज राजनांदगांव में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। जन कल्या ण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव एवं समता जन कल्याण समिति, राजनांदगांव द्वारा संयुक्त रूप से शासकीय कमला देवी राठी महिला महाविद्यालय, राजनांदगांव के साथ एक समझौता ज्ञापन संपादित किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ प्रायोगिक एवं अनुभवात्मक शिक्षा से जोड़ना, उन्हें सामाजिक सरोकारों से अवगत कराना तथा नई शिक्षा नीति के अनुरूप कौशल आधारित शिक्षण को बढ़ावा देना है। प्राचार्य डॉ अंजली अवधिया ने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगी, जिससे उनके व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी सुदृढ़ होगी। इस समझौते के अंतर्गत इंटर्नशिप, कायर्शालाएँ, सेमिनार, प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं सामुदायिक जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। महाविद्यालय प्रशासन एवं दोनों संस्थाओं ने इस पहल को शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी कदम बताते हुए भविष्य में और अधिक सहयोगात्मक कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। जन कल्याण सामाजिक संस्थान के अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह तथा समता जन कल्याण समिति के अध्यक्ष शिशुपाल खोबरागढे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संगठन सृजन अभियान के तहत बूथ और पंचायत स्तर पर कमेटी गठित करने बैठक आहूत, लिया निर्णय

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें बूथ और पंचायत स्तर के कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया संगठन के निर्देशानुसार बूथ एवं पंचायत कमेटी गठित करने आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये ।बैठक में प्रभारी जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष संजू सिंह चंदेल और सह प्रभारी रोहित पुल्त्स्य ने विशेष रूप से शिरकत की।।

बैठक में संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए रणनीति बनाने पर चर्चा हुई।।प्रभारी संजू सिंह चंदेल ने कार्यकर्ताओं को आह्वान किया कि वे कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने के लिए सुयोग्य और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को पदाधिकारी बनाएं और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ें। आगे उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी गांव, गरीब और किसान की पार्टी है, जो उनकी समस्याओं को समझती है।इसलिए, हमें आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को भारी बहुमत से विजयी बनाना है। बैठक में उपस्थित अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे और संगठन को मजबूत बनाने के लिए सुझाव दिए। प्रमुख रूप से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संदीप सिरमौर , यादराम साहू, देवेंद्र पाल,रविंद्र देवांगन,गोलू पाल, डोमार वर्मा कमल निषाद हेमदास बंजारे, कोमल वर्मा, भीख वर्मा, बसंत साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे ।।

14 अप्रैल डॉ. अंबेडकर जयंती पर विशाल राज्य स्तरीय जयंती मेला

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रतिवषर्नुसार इस वर्ष भी विगत 25 वर्षों से 14 अप्रैल को डॉ अंबेडकर चौक पावर हाउस भिलाई में दोप.1 बजे से राष्ट्र निर्माता डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर सार्वजनिक जयंती मेला महोत्सव एवं महारैली होगी।

जिसमें समूचे छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों सहित भिलाई, दुर्ग अंचल के विभिन्न सामाजिक संगठनों में अल्पसंख्यक, बौद्ध, अनु.जाति, अनु.जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के लोग भाग लेंगे।

उपरोक्त सन्दर्भ में विभिन्न संस्थाओं की विशाल बैठक में संस्था के संरक्षक दिलीप वासनीकर (छ.ग.राज्य जांच आयोग कमिश्नर), संस्था के सलाहकार अशोक धावले, राजेश वंजारी लाल, पार्षद चंद्रशेखर गवई, दशरथ अहिरवार , चिन्ना केशवलु , आनंद रामटेके , प्रभुनाथ बैठा , अनिल मेश्राम , राजन पाटिल उपस्थित थे। अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष सुनील रामटेके ने किया। उपरोक्त महारैली में प्रमुख अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल , लोकप्रिय विधायक रिकेश सेन , पूर्व सांसद सुश्री सरोज पांडेय , पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय राकेश पाण्डेय (केबिनेट मंत्री दर्जा), भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव रायपुर संभाग कमिश्नर महादेव कावरे एपेक्स बैंक चेयरमैन . के. एन. कांडे , समाजसेवी इंद्रजीत सिंह (छोटू) आदि होंगे। साथ ही महिला प्रतिनिधियों में सर्व वर्षा बागड़े , सुजाता रामटेके जी, सरोज बोरकर , संगीता पटेल , अनीता मेश्राम उपस्थित थे। उपरोक्त रैली में बांबे आवास, मॉडल टाउन, कोसानगर, राधिका नगर, कृष्णा नगर, डॉ. अंबेडकर नगर, भीम नगर, सुपेला होते हुए जी. ई. रोड से पांच रास्ता, चंद्रमणि नगर, तीन दर्शन मंदिर के सामने से पावर हाउस चौक पहुंचेंगे। इधर छावनी, हथखोज, शारदा पारा, बैकुंठ नगर, हाउसिंग बोर्ड, बाबा दीपसिंग नगर, हुडको, डॉ. अंबेडकर भवन 1119 सेक्टर 6 ,सेक्टर 6 बुद्ध विहार , सेंट्रल एवेन्यू से होते हुए पावर हाउस चौक पहुंचेंगे। ठीक इसी प्रकार भिलाई 3, खुर्सीपार, बापूनगर, सेक्टर 11 इत्यादि रैलियां भाग लेंगे। इस अवसर पर प्रतिमा प्रबंध समिति के पदाधिकारियों में महेंद्र वाघमारे , सुभाष चौहान , अजय मेश्राम , गौतम खोबरागड़े , प्रकाश श्याम कुंवर , भाऊ दास गजभिए , नेकराम रामटेके , यशवंत रामटेके , नरेन्द्र सेंडे , अरुण वैद्य , अनिल गजभिए , भागवत सेंडे , जीवन सूर्यवंशी , रमन गजभिए आदि मौजूद थे।

चुनाव प्रचार : खैरागढ़ जिला भाजपा की टीम विक्रांत सिंह के साथ पश्चिम बंगाल के कलना विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार में जुटी

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

पश्चिम बंगाल के कलना विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी , छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा कार्य समिति सदस्य व जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह के साथ जिला भारतीय जनता पार्टी खैरागढ़ छुईखदान गंडई के टीम भी पहुंचे प्रचार करने पहुंचे कलना विधानसभा के विभिन्न मंडलों में विक्रांत सिंह के साथ पहुंची टीम के द्वारा भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में प्रचार प्रसार कर मोदी के नेतृत्व में इस बार सत्ता परिवर्तन के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी विक्रांत सिंह के साथ जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ बिशेसर साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश समिति के सदस्य घम्मन साहू, वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी के नेता टी के चंदेल, जिला पंचायत सभापति दिनेश वर्मा एवं पांडादाह मंडल अध्यक्ष गोरे लाल वर्मा ने पश्चिम बंगाल के कलना विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार प्रसार किया गया।।

संपादकीय

आईपीएल में खुद को साबित किया वैभव, मुकुल ने

कभी देश के क्रिकेट में दो चार राज्यों के खिलाड़ी ही खेला करते थे। आईपीएल शुरू होने के बाद क्रिकेट में कई राज्यों के खिलाडियों को खेलने का मौका मिल रहा है। इससे कई राज्यों से प्रतिभाशाली खिलाड़ी सामने आ रहे हैं और अपने प्रतिभा से देश के लोगों को हैरान कर रहे हैं। कोई बल्लेबाजी में नए कीतिर्मान बना रहा है तो कोई गेंदबाजी में अपना लोहा मनवा रहा है। आईपीएल में बहुत से खिलाड़ियों को खुद का साबित करने का मौका मिल रहा है और कई खिलाड़ी हर मैच में खुद को साबित कर रहे है और पूरे देश में चर्चा का विषय बने हुए हैं। हाल ही हुए आईपीएल के मैच में सबसे ज्यादा चर्चा में वैभव सूयर्वंशी और मुकुल चौधरी रहे हैं।

वैभव सूयर्वंशी आईपीएल के मैचों मे अपने कम उम्र में अद्भुत खेल के कारण चर्चा में बने हुए हैं।क्रिकेट में अब तक 16-17 साल के खिलाड़ी ही अपने खेल के कारण चर्चा में रहे हैं, वैभव पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जो 14 साल की उम्र मे ही आईपीएल खेलने व अद्भुत प्रदर्शन करने के कारण चर्चा मे रहे हैं। पिछले आईपीएल में वह 35 गेंद में शतक लगाकर चर्चा मे रहे थे। इस बार अब तक हुए चार मैचों में वह एक बार नहीं दो बार पंद्रह गेंद में पचास रन बनाने के कारण चर्चा में रहे हैं। लोग एक बार बीस से कम गेंद में शतक बना पाते हैं उसके बाद वह अपने उस शानदार प्रदर्शन को दोहरा नहीं पाते हैं। वैभव सूयर्वंशी 20 से कम गेंद में तीन बार पचास रन बना चुके हैं।ऐसा करने वाले वह तीसरे खिलाड़ी हैं।

आईपीएल में पावरप्ले में वही खिलाड़ी बेस्ट माना जाता है जो बिना आउट हुए दो सौ से तीन सौ की स्ट्राइक रेट से रन बनाए और पावर प्ले खत्म होने तक टीम का स्कोर साथी खिलाड़ी के साथ मिलकर 80-100 रन तक पहुंचा दे।इस कसौटी पर फिलहाल वैभव सूयर्वंशी व यशस्वी जायसवाल सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। दोनों तीन मैंच में पावर प्ले में ज्यादा रन बनाकर आउट नहीं हुए। चौथे मैच में जायसवाल आउट हुए लेकिन वैभव ने उनके आउट होने के बाद भी 26 गेंद में 78 रन की धुआंधार बैटिंग कर टीम को जिताने में अहम भूमिका निबाह कर चर्चा का विषय रहे।वैभव टी-20 की नई पीढ़ी के क्रिकेटर हैं जिनका यकीन धीमे और ज्यादा देर तक खेलने में यकीन नहीं है।

टी-20 के वतर्मान दौर में हर खिलाड़ी की अपनी भूमिका होती है। जो अपनी तय भूमिका निभाने में सफल होता है वही चर्चा में रहता है। किसी की भूमिका मात्र ६ ओवर में पचास से सौ रन बनाने की है तो वह सफल तब ही माना जाता है जब वह कई मैचों में ऐसा कर पाता है। वैभव ऐसे ही खिलाड़ी हैं, वह बहुत तेज खेलते हैं और चौके के ज्यादा छक्का मारने में यकीन करते हैं, इसलिए वह तेजी से रन बनाते है और उनके तेजी से रन बनाने में टीम का स्कोर तेजी से बढ़ता है और लक्ष्य को पाने में भी ज्यादा समय नहीं लगता है। और टीम को मैच जीतने में आसानी होती है। आईपीएल में राजस्थान रायल यदि अब तक कोई मैच नहीं हारी है तो इसकी एक वजह वैभव व यशस्वी की जोड़ी है। जो छह ओवर में ज्यादा रन बनाकर हर मैंच में जीत की मजबूत नींव रखती हैं। दोनों ६ ओवर में इतने ज्यादा रन इतनी तेजी से बनाते हैं कि बाद के खिलाडियों को आसानी होती है।

आईपीएल में जो मैच जिताने में अहम भूमिका निबाहता है उसी की खूब चर्चा होती है। वैभव सूयर्वंशी चार मैचों में अपनी टीम को जिताने में अहम भूमिका निबाह चुके हैं,इसलिए उनकी हर बार मैच जीतने पर चर्चा होती है और इस बात के लिए भी खूब चर्चा होती है कि वह दिग्गज गेंदबाजों को कैसे छक्का मारते हैं। उन्होंने पिछले मैच में बूमराह,हेजलवुड, भुवनेश्वर आदि खिलाड़ियों की गेंद पर एक से अधिक छक्का मारकर खूब चर्चा में रहे। महान गेंदबाज की गेंद पर छक्का मारना कोई आसान काम नहीं होता है लेकिन वैभव यह काम इतनी आसानी के करते हैं कि लोगों को हैरानी होती है कि वह ऐसा कैसे करते हैं। वैभव की तरह लखनऊ की टीम के मुकुल चौधरी दूसरे ऐसे खिलाडी हैं जो टीम को जिताने के बाद खूब चर्चा में रहे।वह इसलिए चर्चा में रहे कि उन्होंने हारे हुए मैच में अतुलनीय प्रदर्शन कर टीम को जिताया था।

बीजापुर में विकास की नई दस्तक : मनरेगा और पीएम आवास से बदल रही गांवों की तस्वीर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

लंबे समय तक नक्सल प्रभाव के कारण विकास से अछूते रहे बीजापुर जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में अब बदलाव की बयार देखने को मिल रही है। नियद नेल्लानार योजना और मनरेगा के संयुक्त प्रयासों से उन गांवों तक विकास पहुंचा है, जहां दशकों तक नक्सल प्रभाव के कारण बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंच पा रही थी। बीजापुर जिले में नियद नेल्लानार योजना के तहत 42 सुरक्षा कैम्पों के माध्यम से 67 ग्राम पंचायतों के 224 गांवों को शामिल किया गया है। इस पहल में मनरेगा की सक्रिय भागीदारी से स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और आधारभूत ढांचे के निर्माण को गति मिली है।

16 हजार से अधिक परिवारों को रोजगार का सहारा

इन ग्रामों में अब तक 16671 जॉबकार्ड पंजीकृत हैं, जिनमें से 7,271 नए जॉब कार्ड बनाए गए हैं। जिससे हजारों परिवारों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध हो रहा है। विशेष रूप से नक्सल प्रभावित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर दिया गया है। इसमें 966 आत्मसमर्पित नक्सली, 178 घायल पीड़ित परिवार और 477 मृतक नक्सल पीड़ित परिवारों के जॉब कार्ड बनाकर मनरेगा योजना से जोड़ा गया है।

पहली बार दिखा विकास का असर: महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत नियद नेल्लानार क्षेत्रों में 1,744 विकास कार्य कराए गए हैं, जिसमें 5 लाख से अधिक मानव दिवस सृजित हुए हैं। इन कार्यो के जरिए न केवल स्थानीय स्तर पर ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार मिला है, अपितु पलायन में भी कमी आई है और ग्रामीणों का शासन पर भरोसा मजबूत हुआ है।

आजीविका डबरी बन रही आय का जरिया: नियद नेल्लानर क्षेत्र में 372 आजीविका डबरी की स्वीकृति देकर ग्रामीणों को आजीविकामूलक गतिविधियों से जोड़ने की पहल की जा रही है। जनपद पंचायत भैरमगढ़ के नियद नेल्लानार ग्राम पंचायत बेलनार जहां कभी नक्सली दहशत के कारण ग्रामीण गांव छोड़कर विस्थापित होने पर मजबूर थे। नियद नेल्लानार योजना में शामिल होने के बाद ग्रामीण पुनः अपने गांव लौट आये है। उनके आजीविका संवर्धन के लिए महात्मा गाँधी नरेगा योजनांतर्गत वर्ष 2025-26 में हितग्राही श्री सहदेव कोरसा, श्री लखु, सुदरू कोरसा की आजीविका डबरी पूर्ण हो चुके हैं। इन डबरी में मत्स्य पालन एवं हॉर्टिकल्चर विभाग से अभिसरण के माध्यम से मछली पालन एवं सब्जी उत्पादन का कार्य प्रस्तावित है।

2977 परिवारों को मिला पक्का आवास

नियद नेल्लनार क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस योजना के तहत कुल 2977 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनमें से अब तक 690 हितग्राहियों का उनके पक्के आवास बनकर तैयार हैं। पूर्ण हो चुके आवासों में अब परिवार सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

गांव-गांव में बदलाव की कहानी

दुगाली का कुआं बना जीवनरेखाः 100 से अधिक ग्रामीणों को मिला पेयजल- जनपद पंचायत बीजापुर के नियद नेल्लानार अंतर्गत ग्राम दुगाली में मनरेगा से निर्मित कुआं 100 से अधिक ग्रामीणों की प्यास बुझा रहा है। दुर्गम भौगोलिक स्थिति के कारण इस गांव में बोरिंग संभव नहीं थी, वहां यह कुआं स्थायी समाधान बनकर उभरा है। इससे ग्रामीणों को सुलभ पेयजल के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार भी मिला है।

पालनार- जहां पहले प्रशासन नहीं पहुंचता था, आज पंचायत भवन, आंगनबाड़ी और गौठान निर्माण कार्य जारी हैं, वतर्मान में 200 से अधिक श्रमिक काम कर रहे हैं।

कावड़गांव - 50 वर्षो के भय और अलगाव के बाद 100 प्रतिशत ग्रामीण श्रमिकों को जॉब कार्ड वितरण कर लिया गया है। साथ ही इस गांव में सड़क, बिजली, पेयजल, स्कूल और मोबाइल टॉवर जैसी सुविधाएं पहुंच चुकी हैं।

सावनार (तोड़का पंचायत)- 9.35 लाख की लागत से बने आंगनबाड़ी भवन से 40झ45 बच्चों को नियमित शिक्षा और पोषण मिल रहा है।

पुसुकोण्टा (उसूर) - 11.69 लाख की लागत से बने आंगनबाड़ी भवन ने बच्चों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण दिया है।

धरमारम और तोड़का- क्षेत्र में उचित मूल्य दुकानों के निर्माण से अब ग्रामीणों को गांव में ही राशन मिल रहा है।

बांगोली- जहां पहले 18 किमी दूर जाकर राशन लाना पड़ता था, अब 524 परिवारों को गांव में ही यह सुविधा उपलब्ध है।

युवाओं का कौशल विकासः पुनर्वासित आत्मसमर्पित नक्सलियों एवं स्थानीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए राजमिस्त्री प्रशिक्षण दिया गया है, जिससे वे निर्माण कार्यों में रोजगार पा रहे हैं। नियद नेल्लानार योजना और मनरेगा के अभिसरण ने बीजापुर के अंदरूनी गांव में अब विकास ने रफ्तार पकड़ रही है। रोजगार, बुनियादी ढांचे और शासन के प्रति बढ़ते विश्वास से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी व्यापक बदलाव आ रहा है।

हरी खाद - मिट्टी की खोई उर्वरता बढ़ाने का प्राकृतिक समाधान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

हरी खाद - मिट्टी की खोई उर्वरता बढ़ाने का प्राकृतिक समाधानमिट्टी की घटती उर्वरता और रासायनिक उर्वरकों पर बढ़ती निर्भरता को लेकर कृषि विभाग गंभीर दिखाई दे रहा है। जिसके बेहतर व समाधान के रूप में विभाग द्वारा सूरजपुर जिले के किसानों से, हरी खाद अपनाने का आह्वान किया है।

कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि बढ़ती जनसंख्या और घटते जोत के कारण किसान एक ही भूमि पर सघन खेती करने को विवश हैं। इससे मिट्टी में जैविक कार्बन एवं पोषक तत्वों की तेजी से गिरावट आ रही है। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग और पशुधन में कमी के चलते गोबर खाद की उपलब्धता भी घटती जा रही है। ऐसी विषम परिस्थिति में मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने का सबसे सरल, सस्ता और टिकाऊ उपाय हरी खाद ही है। कृषि विभाग ने किसानों को हरी खाद अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि यह न केवल मिट्टी को पुनर्जीवित करने का सबसे सस्ता उपाय है, बल्कि टिकाऊ खेती की दिशा में एक निर्णायक कदम भी है।

क्या है हरी खाद

हरी खाद (ग्रीन मेन्युर) उन फसलों को कहते हैं जिन्हें विशेष रूप से उगाकर हरी अवस्था में ही खेत में जुताई करके मिट्टी में मिला दिया जाता है। ये मुख्यतः दलहनी फसलें होती हैं जिनकी जड़ों में पाया जाने वाला राइजोबियम जीवाणु वायुमंडलीय नाइट्रोजन को मिट्टी में स्थिर करता है - वही काम जो किसान अब तक महंगे यूरिया से कराता आया है। हरी खाद की प्रमुख फसलों में ढैंचा, सन, मूंग, उड़द, लोबिया, चरोटा, ग्वारफली एवं बरसीम शामिल हैं।

अनेक समस्याओं का एक समाधान

हरी खाद के उपयोग से मिट्टी में नाइट्रोजन स्थिरीकरण होता है, फॉस्फोरस की घुलनशीलता बढ़ती है और जिंक, आयरन, कॉपर, मैग्नीज जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व भी सुलभ हो जाते हैं। मिट्टी की भौतिक संरचना सुधरती है, वह नरम और भुरभुरी बनती है तथा जल धारण क्षमता बढ़ने से सूखे में भी फसल को राहत मिलती है। इसके साथ ही खरपतवारों का प्राकृतिक नियंत्रण होता है, लाभकारी मृदा जीवाणुओं की संख्या बढ़ती है और आगामी फसल में कीट व रोग का प्रकोप घटता है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि रासायनिक खाद की जरूरत कम होने से किसान की उर्वरक लागत में उल्लेखनीय कमी आती है और आय में वृद्धि होती है।

ढैंचा - तीन बोरी यूरिया के बराबर

जिला सूरजपुर के सहायक मृदा परीक्षण अधिकारी ने किसानों को हरी खाद के संबंध मे जानकारी देते हुए बताया कि ढैंचा सर्वाधिक प्रभावी हरी खाद फसल है जो प्रति एकड़ 55 से 60 किलोग्राम नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करती है, जो लगभग 120 से 130 किलोग्राम यूरिया यानी करीब तीन बोरी के बराबर है। सन से 45 से 50 किलोग्राम, बरसीम से 48 से 50 किलोग्राम तथा लोबिया एवं ग्वारफली से 22 से 30 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति एकड़ प्राप्त होती है।

सही समय पर करें बुवाई

कृषि विभाग द्वारा किसानों को सलाह दी है कि खरीफ सीजन में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होने पर मई माह में छिड़काव विधि से बुवाई करें। असिंचित क्षेत्रों में वर्षा से पूर्व जून माह में बुवाई करें और जब फसल 40 से 50 दिन की हो जाए, तब उसे हरी अवस्था में ही जुताई करके मिट्टी में मिला दें। रबी सीजन के लिए बरसीम एवं रिजका की बुवाई अक्टूबर-नवम्बर में करें और बुवाई से 50 से 60 दिन बाद खेत में पलटें।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे इस खरीफ सीजन से ही हरी खाद को अपनी खेती का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। रासायनिक उर्वरकों की बढ़ती लागत और घटती मृदा उर्वरता के इस दौर में हरी खाद न केवल किसान की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करेगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए उपजाऊ भूमि भी सुरक्षित रखेगी। अधिक जानकारी के लिए किसान जिला कृषि कार्यालय एवं मृदा परीक्षण कार्यालय सूरजपुर से संपर्क कर सकते हैं।

खीरा की खेती ने बदली सुभद्रा की जिंदगी, बिहान योजना से सुभद्रा बनी लखपति दीदी

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

सुभद्रा पहले गरीबी से जूझ रही थीं, लेकिन स्वयं सहायता समूह जुड़कर एवं ऋण लेकर उन्होंने खीरा की खेती शुरू की ' खीरा की खेती से प्राप्त आय से आज वह 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं '

बिलासपुर जिला के कोटा के ग्राम करका की सुभद्रा ने यह साबित कर दिया है कि यदि सही मार्गदर्शन, समूह की शक्ति और मेहनत साथ हो, तो आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता का सपना आसानी से साकार किया जा सकता है। सुभद्रा समूह से जुड़कर खीरा की खेती कर आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ अब लखपति दीदी बन चुकी है' सुभद्रा मुख्यमन्त्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि सरकारी योजना ने उनका जीवन बदल दिया है।

आदिवासी बहुल गांव करका की सुभद्रा आर्मी ने आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत मां सरस्वती समूह से जुड़कर खीरा की खेती को अपनी आजीविका का माध्यम बनाया। शुरुआत में समूह को 15 हजार रुपये रिवाल्विंग फण्ड, 60 हजार रुपये सी आई एफ तथा 3 लाख रुपये बैंक ऋण प्राप्त हुआ। इस आर्थिक सहयोग ने महिलाओं को खेती के लिए जरूरी संसाधन जुटाने में बड़ी मदद दी। समूह की महिलाओं ने मेहनत, लगन और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाते हुए खीरा की खेती शुरू की। उनकी मेहनत का परिणाम यह है कि आज वे 2 एकड़ में खेती कर लगभग 10 क्विंटल खीरा की बिक्री हर दूसरे दिन कर रही हैं। इससे उन्हें लगभग 7 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है।

इस अतिरिक्त आय से समूह की महिलाओं की आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार हुआ है। अब वे अपने परिवार की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा कर पा रही हैं ' बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दे रही हैं और भविष्य के लिए बचत भी कर रही हैं। सुभद्रा बताती हैं कि इस सफलता के पीछे समूह की बीमा सखी हबीबुन निशा का विशेष सहयोग और मार्गदर्शन रहा, जिन्होंने समय-समय पर महिलाओं को बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता प्रदान कर ऋण सबंधी प्रक्रिया को पूरा करने में सहायता की साथ ही खेती की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुभद्रा आर्मी की मेहनत लगन और सरकारी योजनाओं की मदद से अब वह लखपति दीदी बनने का गौरव हासिल कर चुकी है।

बिहान से बदली हजारों महिलाओं की तकदीर, आत्मनिर्भर बन रहीं लखपति दीदी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के माध्यम से प्रदेशभर में ग्रामीण महिलाओं के जीवन में व्यापक सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। स्व-सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और लखपति दीदी के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर रही हैं। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड अंतर्गत ग्राम तारागी की निवासी श्रीमती सूरजपति की कहानी अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरी है। कभी आर्थिक तंगी से जूझने वाली सूरजपति आज वर्षिक लगभग 1.80 लाख रुपये की आय अर्जित कर आत्मनिर्भर जीवन जी रही हैं।

श्रीमती सूरजपति बताती हैं कि पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी और आय का कोई स्थायी साधन नहीं था। वर्ष 2020 में बिहान योजना से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की शुरुआत हुई। स्व-सहायता समूह के माध्यम से उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और प्रोत्साहन प्राप्त हुआ, जिसने उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ाया। समूह के माध्यम से प्राप्त 60 हजार रुपये के ऋण का उपयोग उन्होंने सोच-समझकर किया और ऑटो रिक्शा संचालन के साथ-साथ किराना दुकान का व्यवसाय शुरू किया। उनके इस निर्णय ने उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान की। वतर्मान में सूरजपति अपने दोनों व्यवसायों से प्रतिदिन लगभग 500 रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। किराना दुकान से लगभग 200 रुपये तथा ऑटो रिक्शा से लगभग 300 रुपये प्रतिदिन की आय प्राप्त हो रही है, जिससे उनकी वार्षिक आय लगभग 1.80 लाख रुपये तक पहुंच गई है। आज सूरजपति न केवल अपने परिवार का भरण-पोषण बेहतर ढंग से कर रही हैं।

दम मारो दम से दिल की गहराई तक एक अनश्वर स्वर की अमर कहानी

आचार्य डॉ. अजय आर्य

हमारे लिए वह सप्ताहांत केवल एक सामान्य अवकाश नहीं था,बल्कि जीवन को थोड़ी देर के लिए खुलकर जी लेने का अवसर था।इस बार शनिवार सेकंड सैटरडे था और छुट्टी ने जैसे मन को पहले से ही हल्का कर दिया था।दुर्ग में हम चार पांच मित्र सतीश धीवर,टकेश्वर साहू,नरेश सिंगरौल और आशुतोष सिंह मिलकर बैठे थे।मैंने मुस्कुराते हुए कहा दिल खोला होता यारों के साथ,नहीं खोलना पड़ता औजारों के साथ।

इस एक वाक्य में जैसे पूरी शाम का सार छिपा था।हम सब इस बात पर सहमत थे कि कभी कभी औपचारिकता और डेकोरम वाली जिंदगी से हटकर अनौपचारिक जीवन जीना भी जरूरी है।महीने दो महीने में कहीं घूम लेना,कहीं बाहर खा लेना,थोड़ी गपशप,थोड़ी हंसी यही वे क्षण हैं जो जीवन को नया उत्साह देते हैं,तनाव को दूर करते हैं और मन को अवसाद से बचाते हैं।इसी भावना के साथ हमारी छोटी सी शाकाहारी पार्टी आरंभ हुई।कुछ लोगों ने मजाक भी उड़ाया न कुछ खास खाना,न पीना फिर कैसी पार्टी।परंतु हमने इन बातों को हंसी में टाल दिया।फेंटा की बोतल खुली,मशरूम पुलाव की खुशबू ने वातावरण को महका दिया,तवे पर रोटियां सिकने लगीं और पनीर को ढाबा अंदाज में तड़का दिया गया।आशुतोष सिंह हमारे हेड कुक बने,मैंने रोटी बेली,सतीश ने सेंकी और नरेश ने साथ निभाया।हर व्यक्ति अपनी भूमिका में था और उसी में आनंद था।यह केवल भोजन नहीं था,यह साथ होने का उत्सव था।जब माहौल को और हल्का करने की बात आई तो संगीत का विषय उठा।मैंने बिना अधिक सोचे कहा आशा भोंसले के गीत लगा दो।जैसे ही दम मारो दम की धुन गूंजी पूरा वातावरण जैसे जीवंत हो उठा।

फिर पिया तू अब तो आजा,चुरा लिया है तुमने जो दिल को,ये मेरा दिल यार का दीवाना जैसे गीत एक के बाद एक बजते गए और हम सब उस संगीत में डूबते चले गए।वह केवल गानों की श्रृंखला नहीं थी,वह हमारी हंसी,हमारी दोस्ती और हमारी बेफिक्री का विस्तार था।उस रात हमने केवल गीत नहीं सुने,हमने उन्हें जिया।सामान्य रूप से यह यकीन नहीं होता कि जिसे हमने शुक्रवार की रात याद किया,जिसके गीतों पर हम झूमे और एक दूसरे को झुमाया, उसी के बारे में रविवार को यह खबर मिलेगी कि वह हमारे बीच नहीं रहीं।मुझे जब यह समाचार मिला तब मैं नया रायपुर के पास रिको गांव में था।यह क्षण भीतर तक स्तब्ध कर देने वाला

था।जिस स्वर के साथ हमने पिछली रात बिताई थी,उसी स्वर को अब श्रद्धांजलि देने का समय आ गया था।यह एक ऐसा संयोग था जिसने जीवन की अनिश्चितता और स्मृतियों की अमरता दोनों को एक साथ सामने ला खड़ा किया।आशा भोंसले का व्यक्तित्व भारतीय संगीत की उस समृद्ध परंपरा का प्रतीक था जिसमें साधना,संघर्ष और निरंतर निखरने की भावना निहित होती है।महाराष्ट्र के सांगली में जन्मी आशा भोंसले को बचपन से ही संगीत का संस्कार मिला।पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर स्वयं एक प्रतिष्ठित शास्त्रीय गायक थे और उसी वातावरण में आशा भोंसले ने संगीत को केवल सीखा नहीं बल्कि उसे अपने जीवन का आधार बना लिया।कम आयु में पिता के निधन ने उन्हें जीवन की कठोर सच्चाइयों से परिचित कराया किन्तु यही परिस्थितियां उनके व्यक्तित्व को मजबूत बनाती चली गईं।बहुत कम उम्र में ही उन्होंने पाश्वर्गायन की दुनिया में कदम रखा।शुरुआती दौर आसान नहीं था।उन्हें छोटे छोटे अवसर मिले कभी सीमित पहचान,कभी संघर्ष परंतु उन्होंने हार नहीं मानी।उनके भीतर एक साधक था जो निरंतर अभ्यास करता रहा,सीखता रहा और स्वयं को निखारता रहा।धीरे धीरे ओ पी नैय्यर,सचिन देव बर्मन और बाद में राहुल देव बर्मन जैसे महान संगीतकारों के साथ जुड़कर उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई।उनके गीतों में एक नई ताजगी,एक नई शैली और एक नया आत्मविश्वास दिखाई देने लगा।उनकी गायकी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा थी।उन्होंने केवल एक शैली में सीमित रहने के बजाय हर प्रकार के गीतों को अपनाया।

इन आंखों की मस्ती के में उनकी आवाज जहां भावनाओं की गहराई में उतर जाती है वहीं झुमका गिरा रे और आओ हुजूर तुमको जैसे गीतों में उनकी चंचलता और जीवंतता झलकती है।कजरा मोहब्बत वाला की नजाकत हो या मुझे नौलखा मंगा दे रे की ऊर्जा हर गीत में उन्होंने अपने स्वर से एक अलग संसार रच दिया।यह केवल तकनीकी दक्षता नहीं थी बल्कि उनके व्यक्तित्व की व्यापकता और संवेदनशीलता का परिचायक था।उनका जीवन केवल सफलता की कहानी नहीं बल्कि संघर्ष,साहस और आत्मविश्वास का अद्भुत उदाहरण है।कम आयु में विवाह,जीवन के उतार चढ़ाव और अनेक चुनौतियों के बीच भी उन्होंने अपने लक्ष्य को कभी नहीं छोड़ा।उन्होंने हर परिस्थिति को अपनी शक्ति बनाया और निरंतर आगे बढ़ती रहीं।उनकी उपलब्धियां असंख्य हैं बारह हजार से अधिक गीत,अनेक भाषाओं में गायन,पद्म विभूषण,दादा साहब फाल्के पुरस्कार,फिल्मफेयर सम्मान और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ये सभी उनके अद्वितीय योगदान के प्रमाण हैं।किन्तु इन सबसे परे उनकी सबसे बड़ी पहचान उनकी आवाज रही जिसने संगीत को केवल सुनने का माध्यम नहीं बल्कि महसूस करने का अनुभव बना दिया।अंततः आशा भोंसले को स्मरण करते हुए यह अनुभूति होती है कि कुछ स्वर कभी समाप्त नहीं होते।वे समय के साथ और गहरे होते जाते हैं।उनका व्यक्तित्व एक सतत साधना का प्रतीक है उनका कृतित्व एक अमर धरोहर है।उन्होंने संगीत को केवल पेशा नहीं बल्कि अपने जीवन का पर्याय बना लिया।उनकी आवाज में जो सहजता,जो गहराई और जो जीवन की अनुभूति है वह उन्हें विशिष्ट बनाती है।आपका स्वर केवल संगीत नहीं,जीवन की अनुभूति है और यही अनुभूति सदैव हमारे साथ बनी रहेगी।

सुख-समृद्धि के लिए वरूथिनी एकादशी पर भगवान विष्णु को चढ़ाएं ये फूल

वैशाख महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरूथिनी एकादशी कहते हैं। इस साल यह एकादशी 13 अप्रैल को है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करना बहुत खास माना जाता है। कहते हैं कि इस व्रत को करने से सारी इच्छाएं पूरी होती हैं और भगवान विष्णु का आशीर्वाद मिलता है। अगर आप भी इस दिन व्रत रख रहे हैं, तो पूजा करते समय भगवान विष्णु को फूल जरूर चढ़ाएं, क्योंकि इससे उनकी खास कृपा मिलती है। तो चलिए जानते हैं कि वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कौन-कौन से फूल चढ़ाने चाहिए।

भगवान विष्णु को चढ़ाएं कमल

कमल का फूल भगवान विष्णु को बहुत पसंद है। इसे अच्छी किस्मत और तरक्की का प्रतीक माना जाता है। वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कमल के फूल चढ़ाना बहुत अच्छा फल देता है। कमल का फूल भगवान विष्णु को अर्पित करने से जीवन में धन, दौलत और सुख-शांति मिलती है। यह फूल खासकर शुभता और अमीरी का प्रतीक है और इसे चढ़ाने से घर में पैसे की कमी दूर होती है। इसके साथ ही, यह मन को शांति और संतोष भी देता है, जिससे इंसान की परेशानियां कम होती हैं और जीवन में खुशी बनी रहती है।

भगवान विष्णु को चढ़ाएं गुड़हल

गुड़हल का फूल मां लक्ष्मी को तो पसंद है ही, साथ ही यह भगवान विष्णु के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। यह फूल ज्यादातर लाल रंग का होता है और इसकी ताज़गी और सुंदरता भगवान विष्णु के लिए हमारी श्रद्धा को और भी बढ़ा देती है। गुड़हल का फूल चढ़ाने से इंसान को जीवन की हर तरह की रुकावटों से छुटकारा मिलता है। यह भगवान विष्णु की कृपा को अपनी ओर खींचता है, जिससे कामों में सफलता मिलती है और मन के सारे तनाव दूर हो जाते हैं। गुड़हल के फूल का इस्तेमाल खासकर शांति और अच्छी ऊर्जा बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह फूल घर में सुख और समृद्धि लाने का काम करता है।

भगवान विष्णु को चढ़ाएं गेंदा

गेंदे के फूल का रंग भगवान विष्णु के लिए बहुत ही शुभ माना जाता है। यह फूल भगवान विष्णु के चरणों में चढ़ाने से उनकी खास कृपा मिलती है और जीवन में खुशियां आती हैं। नारंगी रंग का फूल भगवान विष्णु को चढ़ाने से इंसान के जीवन से गरीबी और मुसीबतें दूर होती हैं। यह फूल तरक्की और सफलता का प्रतीक है और इसे चढ़ाने से व्यक्ति को अपने कामों में कामयाबी मिलती है। नारंगी फूल पूजा में चढ़ाने से व्यक्ति के घर में खूब धन आता है और हर तरह की परेशानियां दूर हो जाती हैं।

इस पद्धति से पूजा करने पर बिना एक रुपए खर्च किए मिलता है अनंत गुणा पूजन का शुभ फल

धर्मशास्त्रों में पूजा को हजार गुना अधिक महत्वपूर्ण बनाने के लिये एक उपाय बतलाया गया है, वह उपाय है, मानस पूजा। मानस पूजा का प्रचार कम होने से बहुत लोग इस पूजा पद्धति से अपरिचित हैं, शास्त्रों के अनुसार मानस पूजा अवश्य अपनानी चाहिए। भगवान को किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं, वे तो भाव के भूखे हैं। संसार में ऐसे दिव्य पदार्थ उपलब्ध नहीं हैं, जिनसे परमेश्वर की पूजा की जा सके, इसलिये पुराणों में मानस पूजा का विशेष महत्व वर्णित है।

भगवान की पूजा करते समय यदि सच्चे मन से मन :कल्पित एक पुष्प भी भगवान को अर्पण किया जाए तो करोड़ों बाहरी फूल चढ़ाने के बराबर होता है। इसी प्रकार मानस चन्दन, धूप, दीप, नैवेद्य भी भगवान को करोड़ गुना अधिक संतोष देते हैं। मानस पूजा में भक्त अपने आराध्य देव के लिए श्रेष्ठ से श्रेष्ठ पूजन सामग्री को अर्पण करने की कल्पना करता है, इस कार्य हेतु भक्त का मन इन पूजन वस्तुओं को एकत्र करने के लिए न केवल अनन्त ब्रह्माण्ड, बल्कि इसकी पहुंच से परे गोलोक, साकेतलोक, सदाशिवलोक तक पहुंच जाता है, यानी अनंत ब्रह्माण्ड में इन्द्रलोक से ब्रह्मलोक, कहीं से भी मानस पूजा में दिव्य वस्तुओं को एकत्र कर भगवान को अर्पण किया जाता है। इस प्रकार भक्त अपने आराध्य देव को दिव्य आसन देता है, वस्त्र और आभूषण पहनाता है, चन्दन लगाता है, मालाएं पहनाता है, धूप-दीप दिखलाकर नैवेद्य अर्पित करता है।

मानस पूजा विधि

वस्तुत: भगवान को किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं, वे तो भाव के भूखे हैं। संसार में ऐसे दिव्य पदार्थ उपलब्ध नहीं हैं, जिनसे परमेश्वर की पूजा की जा सके, इसलिये पुराणों में मानस पूजा का विशेष महत्व माना गया है। मानस पूजा की संक्षिप्त विधि पुराणों से संकलित कर नीचे वर्णित है-

- **ओम लं पृथिव्यात्मकं गन्धं परिकल्पयामि।** प्रभु, मैं पृथ्वी रूप गन्ध, चन्दन आपको अर्पित करता हूं।
- **ओम हं आकाशात्मकं पुष्पं परिकल्पयामि।** प्रभु, मैं आकाश रूप पुष्प आपको अर्पित करता हूं।
- **ओम यं वाय्वात्मकं धूपं परिकल्पयामि।** प्रभु, मैं वायुदेव के रूप में धूप आपको प्रदान करता हूं।
- **ओम रं वह्नयात्मकं दीपं दर्शयामि।** प्रभु, मैं अग्निदेवके रूप में दीपक आपको प्रदान करता हूं।
- **ओम वं अमृतात्मकं नैवेद्यं निवेदयामि।** प्रभु, मैं अमृतके समान नैवेद्य आपको निवेदन करता हूं।
- **ओम सौं सर्वात्मकं सर्वोपचारं समर्पयामि।** प्रभु, मैं सर्वात्मा के रूप में संसार के सभी उपचारों को आपके चरणों में समर्पित करता हूं।

ऊपर वर्णित मंत्रों से शुद्ध भावना पूर्वक मानस पूजा कर श्रेष्ठ फल प्राप्त किया जा सकता है।

क्यों मां दुर्गा के वस्त्र हैं लाल और मां सरस्वती के वस्त्र सफेद?

विद्या की देवी सरस्वती की वेशभूषा श्वेत क्यों है, देवियों के वस्त्र लाल रंग के ही क्यों सर्वाधिक होते हैं। प्रत्येक रंग का अपना एक विशिष्ट महत्व है, ग्रहशांति में भी सर्वप्रथम कौन-सा ग्रह पीड़ा दे रहा है, यह जानकर उस ग्रह से संबंधित वस्त्र दान करना अथवा ग्रह सबल होने पर उसी ग्रह से संबंधित रंग के वस्त्रों का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है।

सफेद वस्त्र धारण करने वाली देवी सरस्वती जी हैं। सरस्वती जी के सफेद वस्त्र धारण करने का रहस्य यही है कि पूर्ण ज्ञान बिल्कुल श्वेत होता है और जिस समय व्यक्ति के अन्दर प्रज्ञा बुद्धि उत्पन्न होती है तो बिना सफेद वस्त्र पहने प्रज्ञा को धारण करना असंभव हो जाता है। मां सरस्वती जी इसलिए श्वेत वस्त्र धारण करती हैं। सफेद वस्त्र धारण करने का विधान उन सबके लिए है जो शुद्ध सात्विक हैं तथा जो विमल बुद्धि प्राप्त करना चाहते हैं और प्रज्ञा बुद्धि के इच्छुक हैं। मां सरस्वती गायन, वादन, अभिनय, नृत्य की अधिष्ठात्री हैं। लाल वस्त्र मां दुर्गा धारण करती हैं और भी समस्त देवियां लाल, पीला, गुलाबी वस्त्र धारण करती हैं। मां लक्ष्मी भी लाल वस्त्र धारण कर ही भाग्यानुसार जातकों को लक्ष्मी प्रदान करती हैं। लाल रंग शक्ति, साहस और पराक्रम का प्रतीक है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि देवी मां दुर्गा शक्ति की देवी हैं, इसलिए उनका वस्त्र भी उसी शक्ति का रंग दर्शाता है।

मां दुर्गा असुरों का संहार करती हैं, लाल रंग वीरता और रणशक्ति का प्रतीक है। भारतीय परंपरा में लाल रंग शुभता के साथ वीरता को दर्शाता है, शुभ कार्य जैसे, विवाह में, पूजा में, सिंदूर में लाल रंग का प्रयोग सर्वाधिक होता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार कल्याण की देवी दुर्गा को लाल रंग अतिप्रिय है, गुड़हल का लाल पुष्प चढ़ाने से देवी शीघ्र प्रसन्न होती हैं। लाल गुलाब आदि भी देवी पर चढ़ाए जाते हैं। जैसा कि हम जानते हैं कि भगवे वस्त्र ऋषि-महर्षि, मुनि, संत-महात्मा धारण करते हैं, बिना भगवे वस्त्र धारण किए ये उपासना नहीं करते हैं। रंगों का चयन उनकी प्रकृति के अनुसार करने पर साधक को मनोवांछित फल प्राप्त होते हैं। उदाहरण के लिए बुध ग्रह के दान में हरी वस्तुओं का प्रयोग किया जाता है, बृहस्पति ग्रह के दान में पीली वस्तुओं का प्रयोग करना चाहिए, इसी प्रकार अलग-अलग रंग के वस्त्र एवं उनसे संबंधित वस्तुओं का प्रयोग ग्रहों के बलाबल के अनुसार करने की परम्परा है।

गुरु की बात सुनने और अनसुना करने का क्या होता है अंतिम परिणाम

अगर आपको सफलता चाहिए तो अर्जुन बनिए, दुर्योधन नहीं। कल्पना कीजिए, रणभूमि में यदि अर्जुन ने श्रीकृष्ण के उपदेशों को अनसुना कर दिया होता और वे अपने संशय में ही उलझे रहते, कर्तव्य से विमुख हो जाते तो संभवत: युद्ध का परिणाम भी भिन्न होता। कोई भी व्यक्ति अर्जुन की तरह गुरु के वचनों को स्वीकार कर अपने जीवन को दिशा दे सकता है या दुर्योधन की तरह उन्हें अनसुना कर अपने पतन के लिए स्वयं जिम्मेदार रहता है।

जीवन में हर व्यक्ति के सामने ऐसे निर्णायक क्षण आते हैं, जब उसे निर्णय लेना होता है, सही निर्णय का अंतिम परिणाम सफलता और गलत निर्णय का अंतिम परिणाम असफलता होता है, लेकिन यह निर्णय लेते समय समझ में नहीं आता है। सफलता या असफलता का पता बाद में परिणाम आने पर ही पता चलता है।

महाभारत के अर्जुन, दुर्योधन के चरित्र का अध्ययन करने से यह पता चलता है कि जीवन में जिन लोगों ने अर्जुन की भांति श्रीकृष्ण रूपी मार्गदर्शक के उपदेशों को सुनकर उन पर अमल किया, वह अपने जीवन संग्राम में सफल रहे। सुमति और कुमति के रूप में व्यक्ति के अन्दर अर्जुन और दुर्योधन दोनों रहते हैं, कभी अर्जुन निर्णय लेता है तो कभी दुर्योधन। जब ग्रहदशा अच्छी हो तो व्यक्ति अर्जुन की भांति सही निर्णय एवं उचित कर्म कर परिणाम के रूप में सफलता प्राप्त करता है। वहीं अनिष्ट ग्रहदशा के प्रभाव से अक्सर व्यक्ति के अन्दर का दुर्योधन जाग जाता है, जो व्यक्ति को श्रीकृष्ण जैसे मार्गदर्शक की बात अनसुनी करने पर मजबूर कर देता है। निर्णायक क्षण में मार्गदर्शक श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया, अर्जुन ने मार्गदर्शक श्रीकृष्ण के वचनों को केवल सुना ही नहीं, बल्कि पूरी गहराई से समझने का प्रयास भी किया। अर्जुन ने अपने अहंकार और भ्रम को एक ओर रखकर स्वयं को एक शिष्य के रूप में समर्पित किया। यही वह बिंदु था जहा से अर्जुन के जीवन में परिवर्तन प्रारंभ हुआ। गुरु वचनों को आत्मसात करते ही उनका मानसिक द्वंद्व समाप्त हो गया और वे अपने कर्तव्य के प्रति दृढ़ हो गए। परिणामस्वरूप, उन्होंने युद्ध में विजय प्राप्त की, आज भी अर्जुन का नाम सम्मानपूर्वक लिया जाता है। जीवन में निर्णायक क्षणों पर लिया गया निर्णय ही भाग्य का निर्माण करता है, गुरु वचन केवल सलाह नहीं, जीवन की दिशा बदलने वाला सूत्र है, अत: जब भी अपने गुरु के पास जाएं तो उनके वचनों पर अमल अवश्य करें।

लाल किताब बताती है, शनि की स्थिति से कब बनेगा आपका अपना घर

लाल किताब में अनिष्ट ग्रहों की पीड़ा एवं दुर्भाग्य मुक्ति के उपाय के साथ ग्रह-नक्षत्रों के प्रभाव एवं उनके निदानों की चर्चा की गई है। लाल किताब की कुण्डली बनाकर देखें, कि शनि किस घर में बैठा है और उसका क्या फल है। शनि का सम्बन्ध लोहा, भवन निर्माण, मजदूर, कारीगर आदि से होने के कारण इन्हीं कारकों की प्रबलता के कारण व्यक्ति के सपनों का आशियाना बनता है।

शनि यदि पहले भाव में हो और सातवें तथा दसवें भाव में कोई भी ग्रह न हो, तो लाल किताब के मतानुसार व्यक्ति अपना मकान अवश्य ही बनाता है। शनि यदि दूसरे भाव में है तो बहुत बड़ा न सही, छोटे-छोटे दो मकान बनवाने का मौका अवश्य मिलता है। शनि यदि तीसरे भाव में है तो उपाय करने से स्वयं का मकान बनाने की सम्भावनाएं बढ़ती हैं। कुत्तों को प्रतिदिन कुछ न कुछ खाने के लिए अवश्य दें, ऐसा करने पर जल्द ही मकान बनने की परिस्थितियां बनने लगेंगी।

चौथे और पांचवे भाव में शनि

चौथे भाव में शनि हो तो व्यक्ति किसी भी प्रकार से येन-केन-प्रकारेण साधनों का प्रयोग करके मकान बना ही लेता है। पंचम भाव में शनि के होने पर अगर 45 साल से पहले मकान बनता है, तो संतान के लिए कष्टकारी रहता है, इससे बचने के लिए काली गाय का दान करने का विधान बताया गया है।

छठे, सातवें और आठवे भाव में शनि

छठे भाव में शनि हो तो 40 वर्ष की आयु से पहले मकान बनना शुभ होता है। सप्तम भाव में शनि होने पर एक से अधिक मकान बनते हैं यानी पैतृक का लाभ भी मिलता है। अष्टम भाव में शनि के होने पर मकान बना पाने की संभावना क्षीण होती हैं, पर राहु और केतु की स्थिति अच्छी मकान बन भी सकता है। धीरे-धीरे अपनी ही कमाई से मकान बनता है।

नवम भाव में शनि

नवम भाव में शनि के होने पर व्यक्ति एक से अधिक मकान बना सकता है। लाल किताब नवम भाव में बैठे शनि वाले जातकों के लिए कहती है कि दो मकान बनाना ही शुभ फलदायी रहेगा, तीसरा मकान न बनाएं क्योंकि यह आपकी आयु के लिए खतरनाक साबित हो सकता है, खासकर यदि आपकी पत्नी गर्भवती है तो मकान का निर्माण न शुरू करें।

दसवें भाव में शनि

शनि यदि दसवें भाव में हो तो 48 वर्ष की आयु के बाद ही मकान बनाना शुभकारी है। वैसे मकान पहले भी बन सकता है, पर मकान को कहीं न कहीं अधूरा ही रहने दें वरना आमदनी में गिरावट आ सकती है अथवा भारी धनहानि हो सकती है।

ग्यारहवें और बारहवें भाव में शनि

ग्यारहवें भाव में शनि हो तो आपको 55 वर्ष के बाद मकान बनाना शुभ फलदायी होगा। बारहवें भाव में शनि आपको मकान अवश्य देता है, चाहे वह छोटा हो या बड़ा। वैसे मौका मिलते ही आपको छोटे मकान का निर्माण जरूर करा लेना चाहिए क्योंकि यह पहला मकान ही बाद में नए भव्य भवन के बनने का रास्ता खोल देता है।

धुरंधर द रिवेंज की सफलता के बीच रणवीर सिंह ने की आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात

अभिनेता रणवीर सिंह फिलहाल अपनी लेटेस्ट फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' की सक्सेस को इन्जॉय कर रहे हैं। फिल्म अब तक 1671 करोड़ का कलेक्शन जुटाने में कामयाब हुई है। इसी बीच अभिनेता को आरए-सएस के हेड क्वार्टर में देखा गया। इस दौरान रणवीर सिंह सिंपल व्हाइट कुर्ता-पजामा में दिखे। रणवीर सिंह हाल ही में नागपुर में आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार गोलवलकर स्मृति स्थल व स्मारक स्थल पहुंचे और फिर मोहन भागवत से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि मुलाकात का यह सिलसिला 4 घंटे तक चला। अभिनेता शाम 4 बजे नागपुर में आरए-सएस के हेडक्वार्टर पहुंचे थे और करीब 8 बजे वहां से मुंबई के लिए रवाना हुए थे। हालांकि दोनों के बीच किन विषयों को लेकर बातचीत हुई, यह साफ नहीं हो पाया है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस मुलाकात में 'धुरंधर: द रिवेंज' की सफलता और संघ के प्रभावी कामकाज को लेकर विस्तार में बातचीत हुई है। सोशल मीडिया पर भी अभिनेता के नागपुर जाने और मोहन भागवत से मिलने की फोटो तेजी से वायरल हो रही हैं। इससे पहले अभिनेता संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में रखे गए कार्यक्रम का भी हिस्सा बने थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी वीडियो जारी कर संघ को 100 साल पूरे होने की बधाई दी थी। रणवीर सिंह संघ के कार्य और कार्य करने के तरीके से बहुत प्रभावित हैं। अभिनेता की 'धुरंधर: द रिवेंज' की वजह से हर तरफ चर्चा हो रही है। फिल्म में अभिनेता की एक्टिंग और एक्शन दोनों की भर-भर कर तारीफ हो रही है। फिल्म का हर किरदार शानदार रहा। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के बाद अभिनेता की यह पहली सुपरहिट फिल्म रही है, जिससे 1671 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया है। अभी तक यह रिकॉर्ड बाहुबली-2 और पुष्पा-2 जैसी फिल्मों के नाम रहा है, लेकिन फिल्म इनका रिकॉर्ड तोड़ने के भी बहुत करीब है।

नेशनल पेट डे पर कुब्रा सैत ने मजेदार अंदाज़ में जताया अपनी पेट शिफू सैत के प्रति प्यार

इस नेशनल पेट डे पर कुब्रा सैत ने अपने फैंस को अपनी प्यारी बिल्ली शिफू सैत से मिलवाते हुए, उसके साथ अपने प्यारे और शरारती रिश्ते की एक झलक दिखाई है, जो जितना क्यूट है, उतना ही मजेदार भी है।

हाल ही में सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में कुब्रा मज़ेदार अंदाज़ में अपनी फेलाइन साथी पर खूब प्यार लुटाती नजर आ रही हैं, जो देखते ही देखते चर्चा का विषय बन गया है हालांकि उससे बात करते हुए ओवर-द-टॉप अंदाज में गुनगुनाती कुब्रा सैत की इस क्लिप को खास बना रहा है शिफू के प्रति प्यार जताने का उनका ह्यूमरस अंदाज़। हालांकि इन सबसे बेफिक्र उनकी बिल्ली शिफू, भी कहीं न कहीं इसे एंजॉय करती नज़र आ रही है, जिससे हर पेट पैरेंट तुरंत रिलेट कर सकता है। यकीन मानिए कुब्रा की एक्सप्रेसिव सिंगिंग और ओवर-द-टॉप क्यूट बातों ने एक साधारण पल को भी बेहद एंटरटेनिंग बना दिया है। यह वही अनफिल्टर्ड और कैंडिड इंटरैक्शन है, जो दिखाता है कि पालतू जानवर हमारे अंदर के सबसे बेफिक्र और असली रूप को बाहर ले आते हैं।

सोशल मीडिया पर यह वीडियो फैंस के साथ गहराई से जुड़ गया है, क्योंकि कई लोग इसमें अपनी ही हरकतों की झलक देख रहे हैं। यह हमें यह भी याद दिलाता है कि पालतू जानवरों के लिए प्यार हमेशा शांत और सधा हुआ नहीं होता, बल्कि कभी-कभी वह मस्तीभरा और बिल्कुल बेपरवाह भी हो सकता है। शायद यही वजह है कि यह इतनी बड़ी संख्या में लोगों के दिलों को छू रहा है।

फिलहाल अपनी दमदार परफॉर्मेंस के लिए जानी जाने वाली कुब्रा सैत प्रोफेशनल मोर्चे पर भी लगातार अपने कामों में व्यस्त हैं। वैसे सैक्रेड गेम्स और 'सन ऑफ सरदार 2' जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ हर बार अपनी वर्सेटिलिटी साबित कर चुकीं कुब्रा सैत ऑन-स्क्रीन हो या ऑफ-स्क्रीन,हर बार अपनी छाप छोड़ना जानती हैं, लेकिन इस बार लगता है उनसे बाज़ी मार ले गई हैं उनकी प्यारी फरी को-स्टार शिफू सैत।

'कॉकटेल 2' के गाने 'जब तलक' के सेट पर छाई थी पॉजिटिव एनर्जी : शाहिद कपूर

अभिनेता शाहिद कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। इस बीच मेकर्स ने बुधवार को फिल्म के पहले गाने 'जब तलक' को रिलीज कर दिया है, जिसे शाहिद कपूर ने बेहद खास बताया। उन्होंने बताया कि गाने की शूटिंग के दौरान सेट पर बहुत ही खुशनुमा और पॉजिटिव एनर्जी थी। शाहिद के लिए यह गाना खास इसलिए है क्योंकि यह फिल्म का पहला गाना है। शाहिद कपूर ने कहा, इस गाने की शूटिंग के दौरान सेट पर बहुत पॉजिटिव एनर्जी थी। हम सबने साथ में बहुत अच्छा समय बिताया। सब कुछ आसान, खुशनुमा और सहज लग रहा था। यही चीजें स्क्रीन पर भी दिख रही हैं। मुझे पूरा यकीन है कि दर्शक इस गाने में मौजूद ईमानदारी और खुशी को स्क्रीन पर महसूस करेंगे और खुद को इससे जोड़ पाएंगे। जब तलक गाने में युवा जोश, धूप और खुशमिजाजी का खूबसूरत एहसास है। प्रीतम ने गाने को कंपोज किया है, जबकि अरिजीत सिंह और अकासा ने इसे अपनी आवाज दी है। गाने के बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं।

अभिनेत्री कृति सेनन ने गाने के बारे में बात करते हुए कहा, 'जब तलक' में एक बहुत अच्छा और फील-गुड एहसास है। इसकी शूटिंग करना दोस्तों के साथ गर्मियों की छुट्टियां बिताने जैसा था। सिसली के खूबसूरत नजारे, हंसी-मजाक, संगीत और मस्ती से भरा माहौल था। शाहिद और रश्मिका के साथ काम करना बहुत मजेदार रहा। इंटरनेशनल क्रू और डांसर भी गाने की एनर्जी में पूरी तरह शामिल थे और इसे गुनगुना रहे थे।

रश्मिका मंदाना ने भी अपनी खुशी जताते हुए कहा, मेरे लिए 'जब तलक' गाना प्यार, दोस्ती और उन बेफिक्र पलों के बारे में है जिन्हें आप हमेशा याद रखना चाहते हैं। गाने में सुकून और खुशमिजाजी भरा एहसास है। शाहिद और कृति के साथ काम करना भी शानदार और मजेदार रहा। उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। 'कॉकटेल 2' 2012 में आई हिट फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। इस नई फिल्म में पूरी तरह नई स्टार कास्ट नजर आएगी। फिल्म की कहानी लव रंजन और तरुण जैन ने लिखी है। यह फिल्म पुरानी फ्रैंचाइजी की कहानी को नए अंदाज में आगे बढ़ाएगी। फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण ऐतिहासिक कदम... रुपाली गांगुली ने जताई खुशी

अभिनेत्री रुपाली गांगुली ने महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण वाले बिल को ऐतिहासिक बताते हुए खुशी जताई है। रुपाली ने कहा कि यह बिल साल 2023 में पास होने के बाद अब लागू होने जा रहा है, जिससे अगले चुनाव से संसद और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिलाएं होंगी। रुपाली गांगुली ने कहा, सालों लगे, लगभग 27-28 साल लग गए। 2023 में बिल पास हुआ और अब जाकर यह लागू होने वाला है। यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। पहले लगता था कि कोई पीछे से आ तो नहीं रहा, अब यह है कि मेरे पीछे मेरी सरकार है। अभिनेत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं के लिए इतने बड़े सुधार मोदी जी के आने के बाद ही संभव हो पाए। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि पहले के समय में बच्चियों को जन्म के समय ही मार दिया जाता था या दूध में डुबो दिया जाता था, लेकिन अब ऐसी खबरें सुनाई नहीं देतीं।

रुपाली ने कहा, मोदी जी हर महिला को अपनी मां, बहन और बेटी के रूप में देखते हैं। उन्होंने महिलाओं को बहुत सम्मान दिया है। मैं बहुत गर्व महसूस कर रही हूं कि मेरे देश में अब संसद में 33 प्रतिशत महिलाएं होंगी। उन्होंने सावित्रीबाई फुले के प्रसिद्ध वाक्य एक बाई शिकली तर पूर्णा परिवार शिकतो का हवाला देते हुए कहा कि एक महिला पढ़ जाती है तो पूरा परिवार पढ़ जाता है। हम बहुत लंबा सफर तय कर चुके हैं, लेकिन अभी भी बहुत काम बाकी है।

रुपाली गांगुली ने कहा कि समाज में अभी भी कई घरों में लड़कियों के साथ भेदभाव होता है, लेकिन अब धीरे-धीरे माइंडसेट बदल रहा है। उन्होंने अपनी पसंदीदा फिल्म 'धुरंधर' और टीवी शो 'अनुपमा' का उदाहरण देते हुए कहा कि ये कहानियां समाज में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। 'अनुपमा' में पहली बार टीवी पर 'जय श्री राम' का नारा लगाया गया और रामनवमी दिखाई गई, जो पहले नहीं होता था।

महिलाओं के आरक्षण का पॉलिसी पर क्या असर पड़ेगा? इस सवाल पर रुपाली गांगुली ने कहा कि जब महिलाएं संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ आएंगी तो नीति-निर्माण में बड़ा बदलाव आएगा। महिलाएं एक मां, बेटी और बहन के नजरिए से सोचती हैं। उनकी सोच में भावनात्मक दृष्टिकोण ज्यादा होता है, जो शिक्षा, महिला सुरक्षा और परिवार से जुड़े मुद्दों पर बेहतर नीतियां बनाने में मदद करेगा। हां लेकिन मेरा ये कतई कहना नहीं है कि पुरुषों में भावनाएं नहीं हैं। उनमें भी होती है।

उन्होंने कहा, हम सशक्तिकरण की बात करते रहते हैं, लेकिन अब महिलाओं को असली शक्ति मिल गई है। जब महिलाएं खुद नीतियां बनाएंगी तो शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव आएगा।

पीएम मोदी के साथ ही रुपाली ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी तारीफ की और कहा कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और रात में बाहर निकलने की स्थिति को बेहतर बनाया है। अंत में रुपाली गांगुली ने कहा, मेरे सेट पर हेयरड्रेसर से लेकर सभी महिलाएं इस खबर से बहुत उत्साहित हैं। यह बदलाव ग्रासरूट स्तर तक पहुंच गया है। मैं मोदी जी को धन्यवाद देती हूं। उन्होंने वो कर दिखाया जो कोई और नहीं कर सकता था।

छोटे उस्तादों के साथ थिरकीं नीरू बाजवा जवाक के सेट से शेयर की मस्ती भरी झलक

पंजाबी और बॉलीवुड फिल्मों में काम कर अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नीरू बाजवा जल्द ही फिल्म 'जवाक' में नजर आएंगी। गुरुवार को नीरू ने सॉन्ग 'जवाक' की शूटिंग का मजेदार बीटीएस वीडियो पोस्ट किया। यह वीडियो इसलिए भी खास और मजेदार लग रहा है क्योंकि इसमें नीरू बच्चों के साथ मस्ती कर रही हैं और उनकी एनर्जी को मैच करते हुए डांस कर रही हैं। अभिनेत्री ने वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, संभलकर...छोटे-छोटे बच्चों में भी बहुत ज्यादा टैलेंट होता है। वाहेगुरु हमेशा आपको खुश और तरक्की में रखे। हमारी फिल्म जवाक जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

शूटिंग के दौरान बच्चों के साथ उनका यह मजेदार वीडियो फैंस को बहुत पसंद आ रहा है।

सॉन्ग 'जवाक' काफी मजेदार है। इसमें नीरू बच्चों के साथ डांस करती दिख रही हैं। गाने को वरी राय ने लिखा है, जबकि संभी ने इसका संगीत तैयार किया है। गाना सभी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और इसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं।

फिल्म 'जवाक' का निर्देशन जतिंद्र महुअर जबकि निर्माण संतोष सुभाष कर रहे हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट जगदीप वारिंग ने लिखी है। यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में नीरू बाजवा के साथ गुरी घुमन, निर्मल ऋषि, बी.एन. शर्मा, राणा रणबीर और रविंदर मांड मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को लेकर मुख्य जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

नीरू बाजवा पंजाबी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया है और दर्शकों का खूब प्यार बटोरा है। अब उनकी नई फिल्म 'जवाक' को लेकर काफी उत्सुकता है। यह फिल्म पंजाबी भाषा में है और इसमें नीरू की मजबूत अभिनय शैली एक बार फिर देखने को मिलेगी।

अभिनेत्री हिंदी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में नजर आई थीं। इस फिल्म में अजय देवगन मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में अभिनेत्री नीरू ने 'डिंपल' नाम का एक महत्वपूर्ण किरदार निभाया है। विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में मृणाल ठाकुर, रवि किशन और दीपक डोबरियाल भी हैं। यह फिल्म 2012 की सुपरहिट फिल्म का सीक्वल है।

बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप : आयुष शेट्टी ने विश्व नंबर एक कुनलावुत वितिदसार्न को हराकर रचा इतिहास

फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय बने

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के पुरुष एकल वर्ग में भारत के युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ा उलटफेर किया। उन्होंने शनिवार को मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर एक कुनलावुत वितिदसार्न को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ आयुष इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के पुरुष एकल फाइनल में पहुंचने वाले केवल दूसरे भारतीय बन गए हैं।

इससे पहले भारत के लिए इस प्रतियोगिता में दिनेश खन्ना ने वर्ष 1965 में स्वर्ण पदक जीता था। उसके बाद सुरेश गोयल, प्रकाश पादुकोण, पुलेला गोपीचंद, अनुप श्रीधर और एच. एस. प्रणय ने अलग-अलग वर्षों में कांस्य पदक हासिल किया था, लेकिन कोई भी खिलाड़ी फाइनल तक नहीं पहुंच सका।

विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज आयुष ने यह मुकाबला एक घंटे पंद्रह मिनट में 10-21, 21-19 और 21-17 से जीता। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना चीन के शि यू ची या चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन में से किसी एक खिलाड़ी से होगा।

यह आयुष और वितिदसार्न के बीच दूसरी भिड़ंत थी। पिछली बार दोनों का सामना आर्कटिक ओपन में हुआ था, जिसमें थाई खिलाड़ी ने जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले में भी वितिदसार्न ने पहला गेम आसानी से अपने नाम किया, लेकिन इसके बाद आयुष ने जबरदस्त वापसी की।

दूसरे गेम में आयुष ने मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और बढ़त हासिल की। हालांकि विरोधी खिलाड़ी ने वापसी की कोशिश की, लेकिन आयुष ने निर्णायक अंक लेकर मुकाबले को तीसरे गेम तक पहुंचाया। अंतिम गेम में आयुष ने शुरू से ही बढ़त बनाए रखी और शानदार स्मैश के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

इससे पहले आयुष ने शुरुआती दौर में विश्व नंबर सात ली शी फेंग को हराया था। उसके बाद उन्होंने ची यू जेन को सीधे गेमों में पराजित किया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने विश्व नंबर चार जोनाथन क्रिस्टी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

न्यूज़ ब्रीफ

बीएचयू दक्षिणी परिसर में राष्ट्रीय स्तर के कार्यशाला में साफ्टबाल' की नवीनतम नियमों पर प्रशिक्षण

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के राजीव गांधी दक्षिण परिसर (आर.जी.एस.सी.), बरकछा में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में दूसरे दिन शनिवार को साफटबाल' खेल के आफिशिएटिंग एवं कोचिंग तकनीक की प्रशिक्षकों एवं रेफरी को जानकारी दी गई। साफटबाल में उन्नत नियम व्याख्या, आफिशिएटिंग एवं कोचिंग तकनीक' विषयक कार्यशाला में भारत में साफटबाल के बढ़ते महत्व तथा वैज्ञानिक प्रशिक्षण एवं मानकीकृत आफिशिएटिंग के महत्व को बताया गया। दक्षिणी परिसर के आचार्य प्रभारी प्रो. बी.एम.एन.कुमार के अनुसार कार्यशाला का उद्देश्य खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं रेफरी की तकनीकी एवं व्यावहारिक दक्षताओं का विकास करना है। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का आयोजन स्पोर्ट्स बोर्ड, आर.जी.एस.सी., बी.एच.यू ने किया है। कार्यशाला के पहले दिन उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. ए. के. नेमा (महासचिव, स्पोर्ट्सबोर्ड, बी.एच.यू.) ने खेलों में अनुशासन, नियमों की समझ एवं प्रशिक्षित अधिकारियों की आवश्यकता पर बल दिया। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथियों के रूप में आईसीएमआर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के पंकज सिंह तथा सेंट जोसेफ कालेज, बेंगलुरु के खेल निदेशक जितेंद्र मेवारा ने खेलों में वैज्ञानिक प्रशिक्षण एवं पेशेवर दृष्टिकोण पर खासा जोर दिया। आचार्य प्रभारी ने बताया कि कार्यशाला में दो दिन आफिशिएटिंग मैकेनिक्स, कोचिंग तकनीक, शारीरिक फिटनेस, प्रतियोगिता प्रबंधन, स्कोरिंग प्रणाली एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विस्तृत सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस प्रकार की कार्यशालाएं खेल संस्कृति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उल्लेखनीय है कि साफ्टबाल, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में एक लोकप्रिय खेल है। आमतौर पर यह माना जाता है कि साफ्टबाल का विकास इंडोर बेसबाल नामक खेल से हुआ है, जो पहली बार खेला गया था। शिकागो में 1887 में इसका जन्म हुआ। साफ्टबाल का मूल बेसबाल के समान ही है। बल्लेबाजी और फील्डिंग की रणनीति भी समान है लेकिन साफ्टबाल बहुत छोटे मैदान पर खेला जाता है और एक मैच केवल सात पारियों का होता है।

ला लीगाः रियल मैड्रिड ने गिरोना के साथ ड्रा खेलकर अंक गंवाए, शीर्ष पर बार्सिलोना की बढ़त और मजबूत

मैड्रिड। स्पेन की शीर्ष फुटबाल प्रतियोगिता ला लीगा में खिताब की दौड़ और रोमांचक हो गई है। रियल मैड्रिड को गिरोना के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर संतोष करना पड़ा, जिससे शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना को अपनी बढ़त और मजबूत करने का मौका मिल गया है। मुकाबले में पहला गोल दूसरे हाफ के छह मिनट बाद फेडेरिको वाल्वेर्दे ने किया, जिससे रियल को बढ़त मिली। हालांकि यह बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी और 62वें मिनट में थोमस लेमार ने शानदार गोल दागकर गिरोना को बराबरी दिला दी। इस परिणाम के बाद बार्सिलोना 76 अंकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड उससे छह अंक पीछे है और एक मुकाबला अधिक खेल चुका है। अब बार्सिलोना के पास अपनी बढ़त नौ अंकों तक पहुंचाने का शानदार अवसर है। रियल मैड्रिड ने इस मुकाबले में मजबूत टीम उतारी थी, क्योंकि उसे अगले सप्ताह एक अहम मुकाबला खेलना है, जिसमें पिछली हार की भरपाई करना जरूरी होगा।

रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहासः टी20 क्रिकेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बने

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और रॉयल चैलेंजर्स

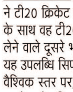

बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में राजस्थान रॉयल्स के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस मुकाबले में जडेजा ने टी20 क्रिकेट में अपने 4000 रन पूरे किए और इसी के साथ वह टी20 फॉर्मेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ हार्दिक पांड्या ही हासिल कर पाए हैं। वैश्विक स्तर पर, जडेजा यह खास उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के 25वें खिलाड़ी बन गए हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता को दर्शाता है। इस मैच में जडेजा ने गेंदबाजी में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 2

चेन्नई सुपर किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से रौंदा

चेन्नई, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच आईपीएल 2026 का 18वां मुकाबला आज यानी 11 अप्रैल को खेला गया। इस मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से हरा दिया। बता दें कि लगातार दिल्ली की इस सीजन यह दूसरी हार थी। वहीं लगातार तीन मैच हारने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2026 का अपना पहला मुकाबला जीता। 213 रन के टारगेट का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स 20 ओवर में 189 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

ट्रिस्टन स्टब्स और पथुम निसांका की मेहनत खराब

दिल्ली कैपिटल्स के लिए सर्वाधिक 60 रन ट्रिस्टन स्टब्स ने बनाए। इसके अलावा पथुम निसांका ने 41 रन की शानदार पारी खेली। हालांकि इन दोनों के अलावा किसी खिलाड़ी ने बल्लेबाजी में खास योगदान नहीं दिया, जिसके चलते दिल्ली को लगातार दूसरी हार मिली।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सबसे सफल गेंदबाज जेमी ओवर्टन रहे, जिन्होंने 4 विकेट लिए। इसके अलावा अंशुल कंबोज ने भी 3 विकेट लिए। 1-1 विकेट खलील अहमद, गुरजपनीत सिंह और नूर अहमद को मिला।

मास्टर्स गोल्फ़ प्रतियोगिता में रारी मैकइलराय की धमाकेदार बढ़त, अक्षय भाटिया बाहर

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। आगस्टा में जारी प्रतिष्ठित मास्टर्स गोल्फ़ प्रतियोगिता के आधे चरण के बाद मुकाबले ने रोमांचक मोड़ ले लिया है। रारी मैकइलराय ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए छह शाट की रिकार्ड बढ़त बना ली है, जबकि अक्षय भाटिया निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कट पार करने में नाकाम रहे।

मैकइलराय ने दूसरे दौर में सात अंडर पैंसठ का बेहतरीन स्कोर बनाया और कुल बारह अंडर एक सौ बत्तीस के स्कोर के साथ शीर्ष पर मजबूत पकड़ बना ली। यह मास्टर्स के इतिहास में मध्य चरण तक की सबसे बड़ी बढ़त मानी जा रही है। अंतिम सात होल में उन्होंने छह बर्डी लगाकर बाकी खिलाड़ियों से बड़ी दूरी बना ली। उनके प्रदर्शन में अनुभव और दबाव में संयम साफ झलका। कुछ खराब टी-शाट के बावजूद उन्होंने समझदारी से खेलते हुए खुद को संभाला और छोटे शाट्स में बेहतरीन सटीकता दिखाई। अब वह ग्रीन जैकेट की ओर बढ़ते दिख रहे हैं और लगातार खिताब जीतने वाले महान खिलाड़ियों जैक निकलास, निक फाल्डो और टाइगर वुड्स की सूची में शामिल होने की राह पर हैं। दूसरे स्थान पर पैट्रिक रीड और सैम बर्न्स हैं, जो मैकइलराय से छह शाट पीछे हैं। रीड ने उनहत्तर का स्कोर बनाया लेकिन आख़िरी होल में बोगी के कारण पिछड़ गए। वहीं सैम बर्न्स ने अंतिम दो होल में बर्डी लगाकर इकहत्तर का स्कोर किया। कट पार करने की होड़ में कई बड़े नाम बाहर हो गए, जिनमें अक्षय भाटिया सबसे प्रमुख रहे। पहले दौर में तिहत्तर के स्कोर के बाद उन्होंने दूसरे दौर में अच्छी शुरुआत की, लेकिन पिछले नौ होल में तीन डबल बोगी के कारण उनकी उम्मीदें टूट गईं। अंतिम होल पर डबल बोगी ने उनकी वापसी की सारी संभावनाएं खत्म कर दीं। आरोन राय ने कठिन दौर के बावजूद टूर्नामेंट में बने रहने में सफलता पाई। लगातार तीन बोगी के बाद उन्होंने लगातार सात पार खेलते हुए चौहत्तर का स्कोर बनाया और कुल एक ओवर के साथ बत्तीसवें स्थान पर रहे। जस्टिन रोज़, शेन लोवरी और टामी फ्लीटवुड पाँच अंडर के स्कोर के साथ चुनौती पेश कर रहे हैं। फ्लीटवुड ने अड़सठ के दौर में दो ईगल लगाए, जबकि रोज़ ने पुटिंग में संघर्ष के बावजूद उनहत्तर का स्कोर किया। ब्रायसन डीशैम्बो भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पहले दौर में छिहत्तर के बाद वह कट के आसपास थे।

पाकिस्तान सुपर लीग में नया विवाद

कराची। पाकिस्तान. पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में शुक्रवार को क्वेटा ग्लैडिएटर्स और रावलपिंडी पिंडीज के बीच खेले गए मुकाबले में एक अभूतपूर्व घटना देखने को मिली, जिसने क्रिकेट जगत में नए सिरे से बहस छेड़ दी है। न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक की गेंदबाजी एक्शन पर आपत्ति जताते हुए दो बार क्रीज छोड़ी, जिससे खेल रोकना पड़ा और अंपायरों को हस्तक्षेप करना पड़ा। यह घटना टी20 वर्ल्ड कप से पहले तारिक के विवादास्पद एक्शन को लेकर चल रही चर्चा के बीच हुई है। मिचेल ने अंपायरों के सामने उस्मान तारिक की संदिग्ध गेंद पर खेलने से किया इनकार नौवें ओवर में, जब उस्मान तारिक गेंदबाजी करने आए, तो मिचेल ने पहली गेंद पर एक पैडल स्वीप खेला। हालांकि, वह तारिक के गेंद छोड़ने से पहले लंबे ठहराव से असहज महसूस हुए। तारिक अपने रन-अप के बाद गेंद फेंकने से पहले एक लंबा पॉज लेते हैं, जिसके बाद वे घुटनों के बल जाकर गेंद डालते हैं। मिचेल ने इस देरी को लेकर दो बार स्पष्ट रूप से आपत्ति जताई और क्रीज छोड़कर गेंदबाज के एक्शन में रुकावट की ओर इशारा किया। इस अनोखी स्थिति को देखते हुए, अंपायरों को मैदान पर दखल देना पड़ा। उन्होंने मिचेल से बात की और स्थिति को शांत करने की कोशिश की, जिसके बाद खेल को दोबारा शुरू करने की अनुमति मिली।

पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट : खालसा एलुमनी और किरोड़ी मल कॉलेज की दमदार जीत

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट (पुरुष एवं महिला) के 5वें दिन शनिवार को रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। एसजीटीबी खालसा एलुमनी और किरोड़ी मल कॉलेज ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। यह प्रतियोगिता एसजीटीबी खालसा कॉलेज के मैदान पर खेली जा रही है।

पुरुष वर्ग के एक मुकाबले में किरोड़ी मल कॉलेज ने एमिटी यूनिवर्सिटी को 92-49 के बड़े अंतर से हराया। किरोड़ी मल कॉलेज के हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की जीत में अहम योगदान दिया और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

एक अन्य मैच में एसजीटीबी खालसा एलुमनी ने रामजस कॉलेज को 81-60 से मात दी। खालसा एलुमनी के मुकेश ने बेहतरीन खेल दिखाया और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' का सम्मान मिला।

महिला वर्ग में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गार्गी कॉलेज ने मैत्रेयी कॉलेज को 59-29 से हराकर दमदार जीत दर्ज की। गार्गी कॉलेज की कनिका को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला।

एक अन्य महिला मुकाबले में स्टनर्स अकादमी ने रामजस कॉलेज को 70-29 से पराजित किया। स्टनर्स अकादमी की रिदम को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

सब-जूनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप : फाइनल में मध्य प्रदेश की दोहरी दावेदारी

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। राजगीर, बिहार में चल रही सोलहवीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। बारह अप्रैल को होने वाले फाइनल मुकाबलों के लिए मंच तैयार है। पुरुष वर्ग के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश का सामना उत्तर प्रदेश हॉकी से होगा, जबकि महिला वर्ग के खिताबी मुकाबले में हॉकी मध्य प्रदेश की टक्कर गत विजेता हॉकी झारखंड से होगी।

पुरुष वर्गः अजेय टीमों की भिड़ंत

पुरुष वर्ग में दोनों टीमें अब तक अपराजित रही हैं। सेमीफाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश ने दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव हॉकी को चार-दो से हराया, जबकि उत्तर प्रदेश हॉकी ने पिछले साल की विजेता हॉकी पंजाब को छह-दो से मात दी। यह मुकाबला पिछले वर्ष के तीसरे रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है। गत विजेता हॉकी झारखंड ने सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश हॉकी को दो-शून्य से हराया, जबकि हॉकी मध्य प्रदेश ने हॉकी ओडिशा को दो-एक से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। महिला वर्ग में हॉकी मध्य प्रदेश की नुशीन नाज़ नौ गोल के साथ शीर्ष स्कोरर हैं, जबकि हॉकी झारखंड की संदीपा कुमारी पांच गोल के साथ उनके पीछे हैं।

शाहरुख अली इस प्रतियोगिता में चौदह गोल के साथ शीर्ष स्कोरर हैं, जबकि नीतीश यादव ने सात गोल दागे हैं, जिनमें सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए हैं। वहीं दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के धीरज पाल भी पांच गोल के साथ प्रमुख

कांस्य पदक के लिए भी रोचक मुकाबले

महिला वर्ग में तीसरे स्थान के लिए हॉकी ओडिशा का मुकाबला उत्तर प्रदेश हॉकी से होगा। वहीं पुरुष वर्ग में दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव हॉकी का सामना हॉकी पंजाब से कांस्य पदक के लिए होगा। फाइनल मुकाबलों के साथ इस प्रतियोगिता का समापन रोमांचक अंदाज में

आलोचकों पर बरसे सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग, बताया रणनीति में बदलाव का कारण

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने आईपीएल में टीम के हालिया प्रदर्शन को लेकर उठ रही आलोचनाओं का करारा जवाब दिया है। उन पर आरोप लग रहे थे कि वे मौजूदा टी20 क्रिकेट की बदलती जरूरतों के हिसाब से खुद को ढाल नहीं पा रहे हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि वह पूरी तरह से खेल के नए आयामों से जुड़े हुए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच से पहले फ्लेमिंग ने अपनी बात रखते हुए स्वीकार किया कि खराब नतीजों के बाद आलोचना होना स्वाभाविक है, क्योंकि खेल में परिणाम ही लोगों की सोच तय करते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह आईपीएल से पहले खेल की दिशा से अनभिज्ञ नहीं हैं, बल्कि वह पूरे साल दुनिया भर के अलग-अलग टी20 टूर्नामेंट्स में कोचिंग देते हैं और खिलाड़ियों की नीलामी प्रक्रियाओं में भी शामिल रहते हैं। इससे उन्हें इस फॉर्मेट में हो रहे बदलावों और वैश्विक खिलाड़ियों की गहरी समझ है, जो आईपीएल में भी उनके काम आती है। फ्लेमिंग ने पिछले सीजन के प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए कहा, पिछले साल हम लय में नहीं थे, ये मैं खुद मानता हूं। लेकिन हमने जल्दी बदलाव

सोलह दूनी आठ
नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम

याज्ञवल्क्य मिश्रा

लोकतंत्र के मायने

लोकतंत्र के मायने जम्हूरियत के मायने होते हैं कि जनता का,जनता के लिए जनता द्वारा शासन हो। बेहद सारांश में ये कि पॉवर याने सत्ता जनता के हाथ में होती है। अब यहां वह जनता कौन है जिसके हाथ में सत्ता होती है, तो उसे एक दृष्टांत से समझिए। कमिश्नरी में एक थाना है। इस थाने में टी आई का ट्रांसफर हो गया। इस टीआई का नाम उसी लिस्ट में था जिस लिस्ट में बाकी कई टीआई के नाम थे। यूँ यह सामान्य है लेकिन दरअसल ये है जनता की शक्ति का मसला। प्रसंग ये है कि इस थाना इलाके में एक ख्यात/कुख्यात जमीन के धंधेबाज का चौचक जलवा है। बेहद संगठित तरीके से होने वाले इस जमीन के काले पीले में धंधेबाज ने अपने अय्यारों को लगाया हुआ है। याने कुछ लंबा लिफाफा वाला मसला हुआ तो पहले या केवल अय्यार फँसेंगे ।बहरहाल ये जानिए कि जमीन के इस धंधेबाज का जलवा थाना इलाके में है तो थाने में भी है। नागरिक,ग्रामीण आते हैं कि ठगी हुई है रिपोर्ट लिख लो लेकिन जलवा है कि रिपोर्ट नहीं होती चलता कर दिए जाने की गौरवशाली परंपरा है। अब ये टी आई साहब परंपरा को माने नहीं और खींच दिए एफआईआर, और लगे खोजने कि कहां है ठगराज जमीन दलाल के लोग। तो जमीन दलाल गिरोह के अय्यार मिले नहीं और जब वो नहीं मिले तो गिरोह का सरगना कहां से मिले। लेकिन टीआई साहब तलाशते रहे। और ठीक यहीं पर साबित हुई जनता की शक्ति। वही जनता की शक्ति जिसके पास होती है सत्ता की पॉवर। टीआई साहबान की लिस्ट बनी तो टीआई साहब का नाम इस लिस्ट में चिपक गया। हालाँकि टीआई है ज़िद्दी। मनोबल टूटा नहीं है ।वह अब तैयारी में है नियम कायदे की गत करते सड़क में दिखें तो ट्रेफि क रुल के सारे नियम लगा कर मौके पर गाड़ी जप्त कर पैदल घर भेजेगा।

जय बोलो हनुमान की

अपने राम मानते हैं कि साहब कभी गलत नहीं करते। जलनखोर लोग जरुर पतंग उड़ाते हैं। अब देखिए कमिश्नरी में ही एक साहब को लेकर क्या फर्जी अफवाहें उड़ रही हैं। साहब का काम है जो मिलने वाला आए उससे मिलें उसकी बातें सुनें। तो ऐसे ही एक स्वंयभू परम भक्त पहुंच गया। अब भला इसमें ऐसा क्या है कि कोई पहुंच गया। अफवाह की उड़ाई हवा ये है कि इस ह्यभेंट-मुलाक़ातह्न के बाद स्वयंभू परम भक्त के कारिंदों के खिलाफ एफआईआर की कार्यवाही पर ब्रेक लग गया। दरअसल ये सिरे से फर्जी बात है। सच्ची बात ये है कि देखिए ये है माँ कौशल्या की धरती,याने राम जी का ननिहाल,जय हनुमान कहते चलिए बड़े बड़े मसले दाएँ बाएँ हो जाएंगे।

पद की गरिमा का सम्मान

बात थोड़ी पुरानी है। मतलब बहुत पुरानी नहीं। ये होली का समय था। एक खबर तैरती हुई पुलिस कमिश्नर के पास पहुंची कि बड़े फार्म हाउस में बड़ा जुआ होने की पूरी तैयारी हो गई है। सूचना पर नक़्शा देखा गया तो समझ आया कि ये तो देहात का मसला है। अस्तु सूचना देहात एसपी को दे दी गई। ग्रामीण एसपी ने प्वाइंट पर तैनाती भी कर दी कि नजर रखो और सही वक़्त पर जय हिंद कर देना। अब हुआ ये कि सूचना पूरी तरह सही थी। तो आप सोचेंगे कि भला फिर कार्यवाही का क्या हुआ। तो ये हुआ कि कार्यवाही नहीं हुई। ऐसा किसी शेयर होल्डिंग की वजह से होने की बात नहीं थी। कथा ये हुई कि प्वाइंट पर तैनात अफसरों और जवानों ने उस जगह कुछ वरिष्ठ पुलिस अफसरों को भी जाते हुए देख लिया। जो वरिष्ठ साहब लोग पहुंचे थे उन्हें लेकर अफवाह है कि वे करीब क़रीब डीजी लेवल पर पहुंच चुके साहब लोग थे। उन्हे देख फिर से प्वाइंट चला कि फलना जगह पर तो ये साहब लोग भी हैं। तो मंथन हुआ कि आगे करना क्या है ? जय हिंद के साथ धावा बोलना है या पद की गरिमा का सम्मान किया जाए। निर्णय हुआ कि पद की गरिमा का सम्मान किया जाए और टीम लौट गई।

यही तो सुशासन है

छत्तीसगढ़ में पूर्ण कालिक डीजीपी को लेकर मसला अगली पेशी तक फिर टल गया है। अब अगली पेशी में सुशासन बाबू की सुशासन सरकार की फजीहत होगी,या पब्लिक के सामने इमेज खराब हो रही है, ये सोचने वाले निगेटिव माईंड सेट के हैं ।दरअसल यह सरकार के निर्भीक होने का मसला है,कि सामने छवि का मसला हो या कोर्ट का,सुशासन सरकार किसी की परवाह नहीं करती। अब देखिए ऐसा है सरकार तो वही होती है न जो निर्भीक होती है, और फैसला किसी प्रेशर में नहीं लेती तो इससे ज्यादा और क्या प्रमाण चाहिए कि सुशासन बाबू की सरकार निर्भीक है, और ठेंगे से किसी प्रेशर में नहीं आती। सहाफी ने पहले भी लिखा है कि,जिन्हें सरकार का फैसला या लटकाने का मसला समझ नहीं आता है वे यह समझें कि यही सुशालन बाबू का सुशासन है। यही गुड गवर्नेंस की सच्ची परिभाषा है,और चुंकि सहाफी ऐसा लिखता और मानता है तो यह सभी जानते हैं कि सहाफी सरकार का मुरीद है और हर क्षण वारी वारी जाउं मोड में रहता है। सुशासन बाबू की और उनके सुशासन सरकार की सदा ही जय जय हो।

कोलेटरेल डैमेज

अंग्रेजी का शब्द है कोलेटरेल डैमेज। यह वहाँ प्रयुक्त होता है जहाँ युद्ध या सैन्य अभियान चल रहे हों और वहाँ नागरिक मौतें हों या कि नागरिक घायल हो जाएँ या संपत्ति का नुक़सान हो जाए। सैन्य परिभाषा बेहद संक्षिप्त है जो यह कहती है कि यह वह नुक्रसान या क्षति है जो किसी अन्य उद्देश याने कि टार्गेट पर हमला करते समय होती है। इन दिनों छत्तीसगढ़ पुलिस महकमे में हो यही रहा है। महकमे में कुछ साहब हैं उन पर बम फूटते जा रहा है। अफवाहें कहती हैं कि,इस हमले के पीछे महकमे के ही दो किरदार हैं और दोनों ही वरिष्ठ पदों पर हैं। ये दोनों किरदार खड़मंडल मचाते हुए अनूठी रचना तैयार करते हैं और फिर वह चिन्हांकित जगहो् से प्रसारित होती है। अब सवाल ये है कि इन दो महानुभावों को आखिर हासिल क्या हो रहा है, तो ऐसा है कि चाणक्य अंकल अपनी रफ कॉपी में दो सूत्र लिख गए थे। पहला लिखा था कि,खुद को अच्छा बताने का यह तरीक़ा भी है कि टार्गेट कर के बाकियों को खराब बताओ और दूसरा लिखा था कि खुद ही भ्रम फैलाकर सामने वाले के पास पहुंच जाओ और उसे बताओ कि तीसरी दुनिया का जो अकालू या दुकालू है वो आपके बारे में भ्रम फैला रहा है हम तो आपके ही हैं और आपके ही साथ हैं।

साहब परेशान

एक बड़े साहब हैं। उनका मसला अलबेला है। संवेदनशील महकमे के हेड ऑफ डिपार्टमेंट हैं। यूँ वे एक और महकमे के हेड ऑफ डिपार्टमेंट होने के पात्र हैं ।ये वो महकमा हैं जिसके वे मूल अफसर हैं। लेकिन पता नही क्या हो रहा है कि,जब भी मूल डिपार्टमेंट में हेड कौन बनेगा की चर्चा होती है,साहब के मौजूदा विभाग को लेकर लाईस बाइस खबरें दौड़ने लगती हैं। खबरें तैरती हैं तो फिर कभी हाईकोर्ट तो कभी मानवाधिकार आयोग का मसला आ जाता है। वैसे साहब को लेकर उनके विरोधी यह अफवाह फैलाते हैं कि उन्हें हिंदू ह्रदय सम्राट का फुल सपोर्ट है। लेकिन जो साहब को जानते हैं वो यह जानते हैं कि कम से कम बारह साल से तो वे जेब में एक कागज लिए घूम रहे हैं जिसमें साहब के अनुसार वीआरएस का मजमून है। अब ये अलग बात है कि अगले हफ़्ते दे दूँगा आवेदन वाली बात कभी सच होते तो नहीं देखी गई। खैर जो भी हो कहने लिखने का मतलब ये है कि साहब भले आदमी हैं। भोलेपन और भलेपन की इंतिहा ये देखिए कि उन को लेकर यह बात मशहूर है वो किसी का बुरा नहीं करते हैं और किसी का बुरा ना हो जाए तो कोई फाईल इसलिए भी आगे नहीं बढ़ाते कि क्या पता किसी का बुरा हो जाए, भले फाईल आगे बढ़ाने से भला होता हो। अब बताइए ऐसे साहब को परेशान करने का क्या मतलब है ?

सशक्तिकरण

महिला सशक्तिकरण का एक अनूठा प्रसंग मध्य छत्तीसगढ़ के एक व्हीव्हीआईपी जिले में दिख रहा है। वहां के तीन गांव में शराब दुकान खोली जाए या कि शराब दुकान बंद ना की जाए इसे लेकर ग्रामीण आंदोलन तक की भुमिका में है और इसमें आधी आबादी की भुमिका पुरजोर है। इनमें ये देखना भी है कि,एक गांव ऐसा है जहां से शराब दुकान हटाने पूर्व विधायक मैडम अड़ी तो उनके विरोध में महिलाएं ही आगे आ गईं और दो गांव इस प्रतियोगिता में आमने सामने हैं कि शराब दुकान उनके ही गांव में खुले, ये दोनों गांव के बीच में केवल सड़क है याने सड़क के एक पार एक गांव दूसरी ओर दूसरा गांव। इसी इलाके से यह खबर भी है कि ऐसी उलट बांसी के पीछे विपक्षी दल के एक विधायक जी की भी अहम भूमिका है। लेकिन सहाफी आधी आबादी की इस अनूठी पहल को दो ग्राम नमस्ते करते हुए बाकी बातों को दरकिनार करता है।

जवाबदेही का सवाल

सुशासन बाबू की सुशासन सरकार सुशासन में इतना व्यस्त रहती है कि, कोई कैसा भी सवाल करे उसे सवाल सुनने की ही फुर्सत नहीं रहती वर्ना सरकार तो है जवाबदेह और इसलिए यदि सवाल सुनेंगी तो जवाब भी देगी लेकिन क्या ही करिएगा। सुशासन लाने में ऐसी व्यस्तता है कि सवाल ही नहीं सुन पाती बेचारी सुशासन सरकार। जैसे सवाल ये हो रहा है कि, बीते दस सालों में यह पहली बार हुआ कि,26 जनवरी के वीरता पुरस्कार के लिए छत्तीसगढ़ से नाम की लिस्ट नहीं गई। अब सवाल उठाने वाले पूछ रहे हैं कि नक्सल मसले पर लड़ाई लड़ने वाले कम हो गए या कोई योग्य ही नहीं मिला। लेकिन मसला वोई है कि सरकार है बिजी गुड गवर्नेंस में। अब फुर्सत पाए तो सवाल सुनेगी और जैसा कि उपर लिखा गया है सुशासन सरकार जवाबदेह है और इसलिए जब कभी सवाल सुनेगी तो जवाब भी देगी लेकिन प्रायोरटी तो गुड गवर्नेस हैं न. यक़ीं मानिए सरकार को फुर्सत ही नही है।

वाह मंत्री जी

सुशासन सरकार में एक युवा मंत्री जी के जलवे और तरह तरह के कौतुक करतब चर्चा में हैं। पहली बार विधायक और पहली ही बार में मंत्री यह योग संयोग होने में समाज पंथ का भी अहम योगदान होता है,तो है भी। लेकिन अब नेता नगरी का मसला है,पंथ समाज को भी देखना है तो सब कुछ आशीर्वाद से होना नहीं है। अर्थ का मसला तो अर्थ से ही हल होगा। तो इस अभिष्ट की सिद्धी के लिए सतत प्रयास करना ही पड़ेगा, तो मंत्रीजी कर रहे हैं। इस अनुष्ठान के लिए वे किसी सीमा को व्यर्थ का विषय मानते हैं। यदि वे ऐसा मानते हैं तो वे गलत भी कहां हैं। मंत्री तो वे पूरे स्टेट के हैं और पंथ समाज तो व्यापक है,याने उनका व्यक्तित्व ही व्यापक है तो कैसी सीमा। लेकिन मसला ये हो रहा है कि कुछ निंदक यह बताने लगे हैं कि फलाँ जगह आंदोलन हुआ तो मसला ट्रांसपोर्ट के ठेके का था और फलाँ जगह सड़क जाम हुआ तो मसला मुरुम रेत पर कब्जे का था। जनता हैरान परेशान है और सोच रही है कि यह क्या कि, सरकार सत्ता मंत्री जी की और मंत्री जी के फॉलोवर सड़क पर। सरकार से चिढ़े लोग यह आग लगाते घूम रहे हैं कि देखिए भला एक मिनिस्टर सड़क पर आंदोलन करा दे रहे हैं और सरकार के नीति नियंता चुप बैठे देख रहे हैं,यह भी भला कोई सरकार है जो मिनिस्टर को ही क़ाबू नहीं कर पा रही है। लेकिन निंदक और आग लगाने वालों को छोड़िए। यह मसला सुशासन सरकार पर न्यौछावर होने का है और लोकतंत्र पर बलिहारी का है। देखिए तो किसी सरकार की संवेदनशीलता और सभी को विचार और क्रिया की स्वतंत्रता देने का इससे ज्यादा और कौन सा ठोस सबूत चाहिए। यही लोकतंत्र है और यही लोकतांत्रिक सरकार की निशानी है।

विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से चेंबर प्रतिनिधिमंडल की सौजन्य भेंट

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

आज चेंबर ऑफ कॉमर्स, राजनांदगांव के पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से सौजन्य भेंट करने पहुंचा। इस दौरान चेंबर प्रतिनिधियों ने डॉ. रमन सिंह का कुशलक्षेम पूछा तथा राजनांदगांव शहर के वतर्मान हालात, व्यापारिक गतिविधियों एवं विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक में विशेष रूप से व्यापारियों की आवश्यकताओं, शहर में व्यापारिक सुविधाओं के विस्तार, तथा आगामी चेंबर महाधिवेशन की संभावित तिथि (मई माह) को लेकर सकारात्मक संवाद हुआ।

डॉ. रमन सिंह ने चेंबर प्रतिनिधिमंडल से मिलकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी से मिलकर राजनांदगांव की ऊर्जा और सक्रियता का अनुभव होता है।

उन्होंने चेंबर द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। चेंबर प्रतिनिधियों ने भी शहर के विकास एवं व्यापारियों के हित में निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया ।इस अवसर पर चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

सेवा का पर्याय बने विधायक रिकेश : 'एक रुपये' के टोकन से मिल रहा पॉवर वाला चश्मा

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने की अनुकरणीय पहल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

एक जनप्रतिनिधि का असली धर्म जनता की पीड़ा को समझना और उसे दूर करना है। इसी ध्येय को चरितार्थ करते हुए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक ऐसी 'सेवा-मशाल' जलाई है, जिसने न केवल क्षेत्र की कायर्शैली बदली है, बल्कि हजारों चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी है। '1 रुपये' के टोकन पर उच्च गुणवत्ता वाले पावर चश्मे उपलब्ध कराने की उनकी अनूठी पहल आज पूरे विधानसभा क्षेत्र में चर्चा का केंद्र बनी हुई है।

सेवा का समर्पण : 10 दिन में 15 हजार पंजीयन

2 अप्रैल को हनुमान जयंती के पावन अवसर पर शुरू हुई यह सेवा महज 10 दिनों में जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है। अब तक लगभग 15 हजार से अधिक लोगों ने अपना पंजीयन करा कर आंखों की जांच करवाई है। आज लोकांगन परिसर से 5,017 लोगों को चश्मों का वितरण कर विधायक ने यह संदेश दिया कि उनकी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है।

चश्मे' से 'दृष्टि' तक : एक सरल और पारदर्शी व्यवस्था

विधायक रिकेश सेन ने इस योजना को जटिलताओं से मुक्त रखा है। श्वेताम्बर जैन मंदिर के सामने जीरो रोड शांति नगर स्थित विधायक कार्यालय में प्रतिदिन सुबह 8 से 11 बजे तक केवल आधार और वोटर आईडी की फोटोकॉपी जमा कर पंजीयन हो रहा है। यदि किसी की दृष्टि जांच रिपोर्ट नहीं है, तो कार्यालय द्वारा निःशुल्क जांच की सुविधा भी उपलब्ध है।

जन-जन की जुबान पर विधायक का नाम

इस पहल का सबसे बड़ा प्रभाव उन वृद्धों और स्कूली बच्चों पर पड़ा है, जो आर्थिक तंगी या अस्पताल के चक्कर काटने के डर से अपनी आंखों की अनदेखी कर रहे थे। आज बिना किसी कतार में लगे और बिना किसी भारी आर्थिक बोझ के उन्हें 'स्पष्ट दृष्टि' मिली है। लाभार्थियों का कहना है कि विधायक ने सिर्फ चश्मा नहीं दिया बल्कि हमें आत्मनिर्भर बनाया है। एक्स-रे, डायलिसिस और ब्लड जांच जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहले से ही सुलभ करा रहे रिकेश सेन अब दृष्टि के धुंधलेपन को दूर करने के मिशन पर हैं।

विधायक रिकेश सेन ने चश्मा वितरण अवसर पर कहा कि यदि नीयत साफ हो तो सरकारी तंत्र और जनभागीदारी के समन्वय से बड़े से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। वैशाली नगर की जनता के लिए मैं विधायक ही नहीं उनके घर का सदस्य हूं और सभी के स्वास्थ्य संकट को दूर करने लगातार प्रयास कर रहा हूं।

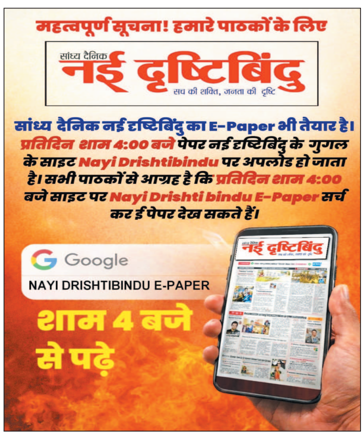

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100